डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सप्ताह को प्रकाशित, भोपाल 1[illegible].06.2022 से 1[illegible].06.2022 वर्ष-39 अंक-24 मूल्य रु. 0.00

सद्‌गुरू ने भारत की मिट्टी की ताकत दुनिया को दिखा दी है - मुख्यमंत्री

मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाये रखने के प्रयास करना जरूरी – सद्‌गुरू श्री वासुदेव जग्गी

भोपाल, सद्‌गुरू श्री योगी वासुदेव जग्गी ने भारत की मिट्टी की ताकत दुनिया को दिखा दी है। उन्होंने यूरोप, मध्य एशिया, उत्तर पूर्व सहित विभिन्न देशों से गुजरते हुए दुनिया को मिट्टी बचाने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि सारी दुनिया एक परिवार है। सद्‌गुरू ने भौतिक और अध्यात्म का अद्‌भुत समन्वय कर दिखाया है। विश्व के कल्याण के लिए सद्‌गुरू मिट्टी बचाने के अभियान में निकले हुये हैं। हमारा शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है, उसमें से एक मिट्टी भी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में सद्‌गुरू योगी वासुदेव जग्गी की उपस्थिति में आयोजित मिट्टी बचाओ जन-जागरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। सद्‌गुरू वासुदेव अपनी बाइक यात्रा में प्रदेश के सागर, विदिशा एवं रायसेन होते हुए भोपाल पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में सद्‌गुरू श्री वासुदेव जग्गी जी को प्रतीक चिह्न भेंट करते हुये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धरती की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है। सद्‌गुरू के मिट्टी बचाओ अभियान में जनसहयोग से मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चलेगा। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं प्रतिदिन पौधा लगाता हूं, जिसमें सामाजिक संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं। सद्‌गुरू के बताये मार्ग पर चलकर नर्मदा सेवा यात्रा निकाली गई थी। नर्मदा नदी के आस-पास पौधे लगाने का कार्य हमने किया है। एक बड़ा पेड़ लाखों जीव-जंतुओं को आश्रय देता है। इस धरती पर सभी जीवों का अधिकार है। प्राकृतिक संतुलन बनाये रखकर परिस्थितिकी तंत्र मजबूत करना हमारा लक्ष्य है।

श्री चौहान ने कहा कि जलाभिषेक अभियान में मध्यप्रदेश पांच हजार अमृत सरोवर बना रहा है। पेड़ लगने से मिट्टी के कटाव को रोका जा सकेगा। जलाभिषेक अभियान भू-जल को बढ़ायेगा। ऊर्जा साक्षरता अभियान में हम सोलर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं। जैविक खेती और प्राकृतिक खेती पर ध्यान दे रहे हैं। प्रदेश में साढ़े 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती कर रहे हैं। हमने पर्यावरण समिट करना तय किया है। सद्‌गुरू सारी दुनिया को राह दिखाने में अद्‌भुत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सद्‌गुरू के बताये मार्ग पर चलने और मिट्टी बचाने का संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री ने धरती एवं मिट्टी बचाने और पौध-रोपण से जन-जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी बचाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी देशों को यह संदेश देना है कि कृषि भूमि में आवश्यक मात्रा में जैविक तत्व को बनाये रखा जाये। हरियाली अमावस्या से एक माह का वृक्षारोपण अभियान चलायेंगे। मध्यप्रदेश को हरा-भरा बनाकर चैन लेंगे।

सद्‌गुरू श्री वासुदेव जग्गी ने कहा कि 100 दिन की यात्रा का यह 79वां दिन है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को ध्यान में रखकर पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरक शक्ति धीरे-धीरे कम होती जा रही है। जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की रक्षा करने के लिए मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाये रखने के प्रयास किए जाना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र में जैवविविधता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरा क्षमता कम होने से धरती पर अन्न का उत्पादन कम होगा, जिससे भोजन की समस्या बढ़ जायेगी। इसलिए मिट्टी में पर्याप्त जैविक तत्व मौजूद हों, इसके लिए हम सबको आगे आना होगा। सभी जीवों के लिए मिट्टी का बहुत महत्व है।

निर्वाचन

जिले में कम से कम पांच आदर्श मतदान केंद्र बनायें

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा है कि जिले में कम से कम पांच मतदान केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में तैयार किया जाए। इन मतदान केंद्रों में मतदान दिवस पर जरूरी व्यवस्थाएं कर आदर्श मतदान केंद्र बनाया जा सकता है।

आदर्श मतदान केंद्र की विशेषताएं

मतदान केंद्र भवन के भू-तल पर बनायें। प्रवेश द्वार को तोरण द्वार, रंगोली, गुब्बारों एवं फूलों आदि से सजायें। मतदाताओं के लिए छायादार प्रतीक्षा कक्ष, बैठने के लिए कुर्सियां/स्वच्छ दरी आदि की व्यवस्था करें। पेयजल, शौचालय की व्यवस्था और सुगम पहुँच मार्ग बनायें। महिला एवं पुरुषों के लिए पृथक-पृथक लाइन बनाने के साथ ही वरिष्ठ, वृद्ध, बीमार एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान में प्राथमिकता दिलाये। प्रवेश एवं निर्गम द्वार पृथक-पृथक बनायें।

मतदान एवं मतगणना संबंधी पूरी प्रक्रिया प्रशिक्षण में बतायें

भोपाल, पीठासीन और मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण में मतदान और मतगणना से संबंधित पूरी प्रक्रिया की जानकारी दें। उनकी हर शंका का समाधान भी किया जाये। पंचायत निर्वाचन में मतदान केंद्र पर होने वाली मतगणना के दौरान छोटी-छोटी बातों पर विवाद की स्थिति बनती है। अतः मतदान दल के सदस्यों के कॉन्सेप्ट पूरी तरह से स्पष्ट रहना चाहिए। इससे वे अभ्यर्थियों और पोलिंग एजेंट की शंकाओं का समाधान कर सकेंगे। ये बातें सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन से संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुये कहीं।

खास खबर

टी.डी. वैक्सीन टीकाकरण अभियान 16 अगस्त से

भोपाल, बच्चों के लिए डी.पी.टी. और टी.डी. के टीकाकरण का अभियान 16 अगस्त से शुरू होगा। यह निर्णय अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान की अध्यक्षता में स्टेट टास्क फोर्स कमेटी की मंत्रालय में हुई बैठक में लिया गया। अभियान पर आधारित पोस्टर का विमोचन भी किया गया। अभियान में कक्षा एक के बच्चों को डी.पी.टी. और कक्षा 5 और 10वीं के बच्चों को टी.डी. का टीका लगाया जाएगा।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

मध्यप्रदेश ने

पंचायत और महिला सशक्तिकरण की दिशा में रचा इतिहास - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि यह मेरे लिए अत्यंत आनंद और हर्ष का क्षण है कि पंचायत निर्वाचन-2022 में मध्यप्रदेश 'समरस पंचायतों' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। प्रदेश में अनेक ग्राम पंचायतें ऐसी हैं, जहां नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा के बाद हमारी बहनें और भाई निर्विरोध सरपंच और उप सरपंच चुने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समाज में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन का द्योतक होने के साथ ही महिला सशक्तिकरण का भी जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम चरण में नामांकन-पत्रों की जांच के बाद सामने आई स्थिति पर ट्वीट कर भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम सबका ध्येय केवल विकास और जनकल्याण है। मुझे खुशी है हमारी 'समरस पंचायतें' और हम सभी इस दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं।

पंचायत चुनाव में बुरहानपुर जिले खकनार जनपद क्षेत्र का एक गांव उदाहरण बना है। यहां की मांजरोद खुर्द पंचायत में बीते साठ साल से बिना किसी चुनाव के ग्राम पटेल और बाद में सरपंच चुनने की परपंरा कायम थी। इस बार इस पंचायत की महिला सरपंच सहित सभी 12 पंच पदों पर निर्विरोध महिला प्रतिनिधि बनने जा रही हैं।

ग्रामीण विकास का ध्येय लेकर और जन-भागीदारी को बढ़ाते हुए विकास की ओर अग्रसर होते मुख्यमंत्री श्री चौहान पिछले माहों में लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करते रहे। उन्होंने ग्रामीणों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया कि सभी एकजुट होकर गांव में विकास की भावना के साथ काम करें और निर्वाचन में अपनी पंचायत को समरस बनाकर उदाहरण प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री के आह्वान का असर आज अनेक ग्राम पंचायतों में देखने को मिला है। जहां ग्रामीणों ने बिना किसी भेदभाव के आपसी सद्‌भाव के साथ अपनी ग्राम पंचायत को न केवल निर्विरोध की स्थिति में ला दिया है, वरन महिलाओं ने भी अपनी सूझ-बूझ का परिचय दिया है। श्री चौहान ने हाल ही में पंचायत निर्वाचन 2022 के संदर्भ में निर्विरोध निर्वाचन वाली पंचायतों को आदर्श पंचायत के रूप में विकसित करने की बात कही थी। मुख्यमंत्री ने ऐसी पंचायतों के विकास कार्यों और सरकार की सभी जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की मंशा भी जाहिर की थी।

आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। देश के साथ मध्यप्रदेश में भी आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा। वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना की परिस्थितियों के कारण सार्वजनिक योगाभ्यास नहीं हो पाये। अब 2 वर्ष के अंतराल के बाद सार्वजनिक स्तर पर योग दिवस के कार्यक्रम होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर योग का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्व बढ़ा है। प्रधानमंत्री योग से आमजन को जोड़ने की मंशा रखते हैं। इसके अनुरूप प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाए। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए भारतीय योग के महत्व को विश्व के अनेक राष्ट्र ने स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के विश्व धरोहर स्थलों और अन्य ऐतिहासिक स्थानों जैसे किलों के प्रांगण एवं परिसर, सरोवरों और नदियों के किनारे सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम किए जाएं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों पर योग दिवस के लिए स्वैच्छिक संगठनों को भी जोड़ा जाए। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों के स्तर पर योग कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी गई।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

4 जून

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने ब्याज दर में की कमी

● केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ब्याज दर घटाने का फैसला किया है। सरकार ने ईपीएफ पर ब्याज दर 8.1 प्रतिशत करने की अनुमति दे दी है। पहले यह बाजार दर 8.5 प्रतिशत थी। यह चार दशक से अधिक समय में सबसे कम ब्याज दर है। ईपीएफओ ने इस संबंध में आदेश जारी कर कहा कि श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय ने ईपीएफ सदस्यों के लिये वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये 8.1 प्रतिशत ब्याज दर पर केंद्र सरकार ने अनुमति दी है। सरकार की ओर से परिवर्तित ब्याज दर पर समर्थन मिलने के बाद कर्मचारी भविष्य निधि संगठन खाताधारकों के खातों में निश्चित ब्याज दर जमा कराना शुरू कर देगा। उल्लेखनीय है कि सरकार के इस फैसले का असर लगभग छह करोड़ उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

● नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिव्यांग या चलने-फिरने में अक्षम यात्रियों से संबंधित नियमों में संशोधन का मसौदा जारी किया है। डीजीसीए ने इसी आधार पर विमान में दिव्यांग यात्रियों को लेकर एयरलाइंस कंपनियों को अहम निर्देश दिये हैं। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइंस कंपनियां विकलांगता के आधार पर किसी भी व्यक्ति को ले जाने से मना नहीं कर सकती हैं। अगर किसी एयरलाइंस को लगता है कि ऐसे व्यक्ति का स्वास्थ्य उड़ान के दौरान खराब हो सकता है, तो उसकी जांच एयरपोर्ट पर स्थित डॉक्टर से करानी होगी। डॉक्टर जांच कर बतायेगा कि यात्री उड़ान भरने के लिये फिट है या नहीं। मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद एयरलाइन उचित कार्रवाई करेगी।

5 जून

डीसीजीआई ने कोर्बेवैक्स को बूस्टर डोज के रूप में दी मंजूरी

● ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने दवा कंपनी बायोलॉजिकल-ई लिमिटेड की कोरोना वैक्सीन कोर्बेवैक्स को बूस्टर डोज के रूप में इस्तेमाल करने की मंजूरी प्रदान की है। कंपनी ने कहा कि कोर्बेवैक्स भारत में पहला ऐसा टीका है, जिसे 'हेट्रोलोगस' कोविड बूस्टर के रूप में मंजूरी दी गई है। कोर्बेवैक्स बूस्टर डोज को कोवैक्सीन या कोविशील्ड की दूसरी डोज के छह महीने के अंतराल में दिया जा सकता है। डीसीजीआई ने वैक्सीन की अंतरिम सुरक्षा और इम्युनोजेनेसिटी डाटा की समीक्षा के आधार पर विषय विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के बाद यह मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि डीसीजीआई अप्रैल 2022 में पांच से बारह वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों के लिये कोर्बेवैक्स के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दे चुका है।

● चीन अंतरिक्ष में अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहा है। चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन के लिये अंतरिक्ष यान शेनझोउ-14 से अंतरिक्ष स्टेशन भेजा है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह तीनों अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन की असेंबली और निर्माण को पूरा करने में ग्राउंड टीम का सहयोग करेंगे। इस मिशन के लिये चेन डोंग, लियू यांग और काई जुजे तियांगोंग को चुना गया है।

6 जून

सैन्य बलों में जवानों की भर्ती के लिये अग्निपथ योजना तैयार

● सेना के तीनों अंगों में आने वाले दिनों में जवानों की भर्ती अग्निपथ योजना के जरिये होगी। सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को इस योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। माना जा रहा है कि इस योजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। इस योजना के तहत थल सेना, नौ सेना और वायु सेना में जवानों की भर्ती की जायेगी। इन जवानों को अग्निवीर कहा जायेगा। इस योजना के अनुसार जितने भी जवान भर्ती किये जायेंगे उन्हें छह महीने की ट्रेनिंग दी जायेगी। इसके बाद 20 से 25 प्रतिशत जवानों को ही लंबे समय के लिये सैन्य बलों में रखा जायेगा। शेष जवानों को कुछ समय बाद सेना से मुक्त कर दिया जायेगा। इन जवानों को दूसरी जगह नौकरी की तलाश करने में सेना की तरफ से मदद दी जायेगी।

● बांग्लादेश के चटगांव जिले में एक कंटेनर डिपो में भीषण आग लग गई। इस हादसे में लगभग 49 लोगों की मृत्यु हो गई। बांग्लादेश के अग्निशमन सेवा के अनुसार आग लगने की घटना चटगांव के कदमरासुल इलाके में हुई। कंटेनर डिपो में आग लगने के बाद एक के बाद एक कई विस्फोट हुये। इस दौरान पुलिस और दमकलकर्मियों सहित कई लोग घायल हुये हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार घायलों का इलाज जारी है। माना जा रहा है कि हादसे में मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

7 जून

भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के लिये राशि स्वीकृत

● केंद्र सरकार ने सशस्त्र सेनाओं के लिये 76 हजार 390 करोड़ रुपये के रक्षा खरीद सौदे को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इस खरीद से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिये रक्षा खरीद परिषद ने स्वदेशी खरीद श्रेणी के तहत इन सौदों को मंजूरी दी है। यह खरीद भारत में ही निर्मित डिजाइन और विकसित श्रेणी के तहत की जायेगी। इससे भारतीय रक्षा उद्योग को मजबूती मिलेगी और विदेशी हथियारों पर निर्भरता भी कम होगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन प्रस्तावों के तहत सेना के लिये दुर्गम क्षेत्रों में चलने वाले विशेष तरह के ट्रक, पुल बनाने वाले टैंक, बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, टैंक रोधी मिसाइलें और रडार की खरीदी की जायेगी।

● भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुक करने के नियमों में बदलाव किया है। इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने बताया कि जिस यूजर की आईडी आधार कार्ड से लिंक है, वो अब महीने में 12 की जगह 24 टिकट बुक कर सकेंगे। पहले आईआरसीटीसी की एक आईडी पर 6 टिकट और आधार लिंक होने पर 12 टिकट बुक कर सकते थे। रेलवे ने कहा कि अगर यूजर आईडी आधार से लिंक नहीं, तब भी 6 की जगह 12 टिकट बुक कर सकते हैं।

8 जून

अग्नि-4 मिसाइल का सफल परीक्षण

● भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह मिसाइल परमाणु हमले में सक्षम है और चार हजार किलोमीटर तक प्रहार कर सकती है। इसके अलावा यह मिसाइल एक हजार किलो वजन तक विस्फोटक ले जाने की क्षमता रखती है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि यह सफल परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किये गये नियमित प्रशिक्षण लॉन्च का हिस्सा था। इस परीक्षण ने सभी परिचालन मानकों के साथ-साथ सिस्टम की विश्वसनीयता को भी पूरा किया है।

● आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत लगातार मदद भेज रहा है। भारत ने श्रीलंका के अस्पतालों और नागरिकों के लिये जीवनरक्षक दवाएं, चिकित्सकीय उपकरण और राहत सामाग्री भेजी है। यह सहायता भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा सौंपी गई। इस अवसर पर कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त श्री गोपाल बागले ने कहा कि यह कदम कर्ज में डूबे श्रीलंका की मदद के लिये उठाया गया है। श्रीलंका अभी अपने सबसे खराब आर्थिक दौर से गुजर रहा है। विदेशी मुद्रा की कमी के कारण ईंधन, रसोई गैस और अन्य आवश्यक सामान की आपूर्ति की समस्या हो गई है।

9 जून

सरकार ने सीडीएस पद पर नियुक्ति के नियमों में किया बदलाव

● रक्षा मंत्रालय ने देश के सर्वोच्च सैन्य अफसर पद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति से संबंधित नियमों में बदलाव किया है। नये नियमों के तहत सीडीएस पद के लिये पात्र अधिकारियों का दायरा बढ़ाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सीडीएस की नियुक्ति के लिये सरकार उन अधिकारियों पर विचार कर सकती है, जो लेफ्टिनेंट जनरल के समकक्ष के रूप में सेवारत हैं या वो अधिकारी जो लेफ्टिनेंट जनरल या जनरल पद से सेवानिवृत्त हुये, लेकिन नियुक्ति की तारीख को उनकी उम्र 62 वर्ष से कम हो। नोटिफिकेशन के अनुसार सीडीएस पद पर अधिकतम 65 वर्ष की आयु तक पद पर रह सकेंगे। माना जा रहा है कि सरकार के इस फैसले के बाद थल सेना, वायु सेना और नौ सेना में सेवारत या रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल या उनके समकक्ष अधिकारी भी सीडीएस बन सकेंगे। इस फैसले के बाद नये सीडीएस की नियुक्ति प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि जनरल बिपिन रावत देश के पहले सीडीएस नियुक्त किये गये थे, लेकिन दिसम्बर, 2021 में एक हेलिकॉप्टर हादसे में उनकी मृत्यु के बाद सीडीएस का पद रिक्त हो गया है।

10 जून

जापान सहित पांच देश बनेंगे सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य

● जापान सहित पांच देश, दो वर्ष के कार्यकाल के लिये संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य चुने गये हैं। जापान के अलावा इक्वाडोर, माल्टा, मोजांबिक और स्विट्जरलैंड वर्ष 2023-2024 के लिये सुरक्षा परिषद के सदस्य बनेंगे। यह देश भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको और नॉर्वे की जगह लेंगे। भारत सहित इन पांच देशों का कार्यकाल 31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त हो रहा है। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सुरक्षा परिषद के दो वर्ष के कार्यकाल के लिये पांच अस्थाई देशों के चयन के लिये गुप्त मतदान कराया था। सुरक्षा परिषद में सीटें क्षेत्र द्वारा आवंटित की जाती हैं। जापान को एशिया प्रशांत समूह की ओर से चुना गया है। जापान को 192 में से 184 वोट मिले। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद में अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन स्थाई सदस्य हैं।

● चीन ने अंतरिक्ष में अपना सोलर पावर प्लांट लगाने की घोषणा की है। चीन ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण अपने शेड्यूल से दो वर्ष पहले वर्ष 2028 में शुरू कर दिया जायेगा। यह प्रोजेक्ट चार चरणों में पूरा किया जायेगा। यह प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बिजली बीम के जरिये भेजी जायेगी। चीन ने बताया कि अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बिजली भेजने के लिये वायरलेस पावर ट्रांसमिशन का इस्तेमाल किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि दो दशक पहले अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने पहली बार इस तकनीक से अंतरिक्ष में पावर प्रोजेक्ट लगाने का प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन इस पर काम नहीं हुआ। वहीं ब्रिटेन ने भी वर्ष 2035 तक अंतरिक्ष में 1600 करोड़ पाउंड की लागत वाला सोलर पावर प्लांट बनाने की योजना तैयार की है।

JOIN NEW BATCHES
CTET | MPTET
CUET | CET
नर्सिंग(PNST), PV&FT
NEET/ 10th 11th 12th
बालाजी ट्यूटोरियल्स (Since 2004)
ऑफिस: 221, वेदा बिल्डिंग, भँवरकुआ इन्दौर
98930-53653
R-47181/2022

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

22 वर्षों से भारत मां की सुरक्षा को समर्पित
देश का अग्रणी संस्थान
Army, Navy, Airforce
SSB | CDS
AFCAT | CPF
NDA+ 9th 10th 11th 12th
Sainik & Military Scl.
RIMC, Navodaya
मेहनत से मंज़िल तक
MAA TUTORIAL
No.1 Defence Institute of Central India
Indore HO: 20, Press Complex, A.B.Road
Bhopal Office: M.P.Nagar Zone-2
Cont. No.: 0731-4083161
9826911161, 9826910161
www.maatutorial.com
R-47180/2022

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	13.36	18.70
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार
चौड़ाई - 25 सेंटीमीटर
लंबाई - 37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर - 925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in
नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 24 13.06.2022 से 19.06.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा है अभिनव कार्य

शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे-2021 में यह तथ्य सामने आया है कि मध्यप्रदेश ने अभिनव कार्य करते हुये देश में 5वां स्थान प्राप्त किया है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। नेशनल एचीवमेंट सर्वे प्रति 3 वर्ष में होता है। इसके पहले वर्ष 2017 में मध्यप्रदेश इस सर्वे में 17वें स्थान पर था। प्रदेश आगामी सर्वे में अव्वल आने के लिये प्रयास करे। समाज के जुड़ जाने से हर क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलते हैं। स्कूलों से समाज को जोड़ने के लिये भी अभियान की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के बेहतर क्रियान्वयन और शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिये भी हम गंभीर हैं। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में लर्निंग फ्रॉम नेशनल अचीवमेंट सर्वे कार्यशाला का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कराया जाने वाला राष्ट्रव्यापी शिक्षा सर्वे देश का सबसे बड़ा सर्वे है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर तक विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का फीडबैक प्राप्त कर भविष्य के लिये शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। कक्षा 3, 5, 8 10 के लिये सर्वे में सैम्पल आधार का कार्य हुआ, जिसमें गणित, विज्ञान, पर्यावरण, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी और भाषा की शैक्षणिक उपलब्धियों के स्तर की जांच की गई। सर्वे में केंद्र सरकार के विद्यार्थियों सहित राज्य सरकार के विद्यालय, प्रायवेट विद्यालय और अनुदान प्राप्त विद्यालय शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को तन्यमता से पढ़ाने वाले शिक्षक अच्छे परिणाम लाने में सहायक होते हैं। पारंपरिक ढंग से शिक्षा देने के कार्य से हटकर बच्चों को शिक्षण सामग्री रटवाने के स्थान पर समझाने वाले शिक्षक अपना कार्य आनंद के भाव के साथ करते हैं। इस तरह की शिक्षा ग्रहण करने पर विद्यार्थी कल का भारत बनाने में सहायक होंगे। पढ़ाते हुये शिक्षक के मन में यदि यह लक्ष्य है कि उसे नई पीढ़ी को तैयार करना है, तो यह कार्य सार्थक हो जाता है। शिक्षक सिर्फ शिक्षक न होकर गुरु भी होता है, जो विद्यार्थी के जीवन को संवारने का कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों का अभिनंदन करते हुये कहा कि वे स्वयं शासकीय विद्यालय से पढ़कर निकले हैं, उनके शिक्षक श्री रतनचंद्र जैन एक आदर्श शिक्षक रहे हैं। सभी विद्यार्थी उनका हृदय से सम्मान करते थे। सरकारी विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी किसी से पीछे नहीं होते। कोरोनाकाल में शिक्षा विभाग ने बच्चों को विभिन्न माध्यमों से शिक्षा देते हुये कुंठित होने से बचाया, इस तरह के नवाचार प्रशंसनीय हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और समाज की विभिन्न संस्थाओं को शिक्षा से जुड़कर बच्चों के व्यक्तित्व को आकार देने का प्रयास करना चाहिये। स्कूलों में हर महीने पालक-शिक्षक बैठक होना चाहिये। हमें शिक्षक की भूमिका निभाने के लिये तैयार होना चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा भी एक या दो बार स्कूल जाकर बच्चों को पढ़ाने का मन होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति में टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें निरंतर संवाद की प्रक्रिया जारी है। रैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से श्रेष्ठ परफॉर्मेंस वाले शिक्षकों को पुरस्कृत और सम्मानित करने और एनसीसी जैसे संगठनों के माध्यम से विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास निरंतर होना चाहिए।

वैज्ञानिकों ने ढूंढ़े नये वायरस

वायरस जिसे हम विषाणु भी कहते हैं, मनुष्य जीवन में अहम् स्थान रखते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वैज्ञानिकों ने समुद्र में एक बड़ी खोज की है। इस नई खोज में दुनियाभर के महासागरों से वायरस की 5,500 नई प्रजातियां मिली हैं, जिन्हें उनकी विविधता के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जा रहा है। शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम के नेतृत्व में यह खोज की गई। समुद्र से लिये गये 35,000 नमूनों पर शोध करने के बाद यह नये वायरस मिले हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि इन नये विषाणुओं में से करीब 100 विषाणुओं की प्रजातियां मनुष्यों, जानवरों और पौधों को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखती हैं। इन विषाणुओं को पांच नये फाइला में वर्गीकरण किया जा सकता है। शोध के निष्कर्षों में बताया गया है कि जहां सैकड़ों नई आरएनए वायरस प्रजातियां मौजूदा डिविजनों में फिट होती हैं, वहीं हजारों अन्य प्रजातियों को अब पांच नये प्रस्तावित फाइला में वर्गीकृत किया जा सकता है। इनमें ताराविरिकोटा, पोमिविरिकोटा, पैराक्सनोविरिकोटा, वामविरिकोटा और आक्टीविरिकोटा शामिल हैं, साथ ही शोध में यह भी बताया गया कि नई प्रजातियों का सबसे बड़ा समूह ताराविरिकोटा फाइलम से संबंधित है। अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के अध्ययन के प्रमुख लेखक मैथ्यू सुल्विन ने बताया कि शोध में पाये गये इन वायरसों में बहुत सी विविधता है। साथ ही उन्होंने बताया कि एक सम्पूर्ण फाइलम के रूप में ताराविरिकोटा ऐसी प्रजाति है, जो पूरे महासागर में पाई गई, जो यह बताता है कि वे परिस्थितिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि समुद्र में पाये जाने वाले इन विषाणुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि खोजे गये नये वायरस ऐसे हैं, जो मनुष्य, जानवरों और पौधों को नुकसान नहीं पहुंचाते। शोध के सहलेखक डॉक्टर अहमद जायद ने कहा कि इन वायरस का वर्गीकरण किया जा रहा है, इनमें कई ऐसे हैं, जो अरबों साल से समुद्र में मौजूद थे। इसलिये हम ना केवल वायरस की उत्पत्ति का पता लगा रहे हैं, बल्कि इसके जरिये जीवन की उत्पत्ति का भी पता लगा रहे हैं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून

बाल श्रम निषेध के लिये जन-जागरूकता अत्यन्त जरूरी

बाल श्रम की समस्या विश्व के अधिकांश देशों में मानवता और सभ्यता के खिलाफ एक बड़ी चुनौती बन गई है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध और उसके निषेध के लिये समय-समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम निषेध के लिये जनजागरूकता अभियान के साथ-साथ विधिक उपाय भी किये जा रहे हैं। इसी क्रम में दुनियाभर में बाल श्रम के निषेध के लिये हर साल 12 जून को 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। बाल श्रम को प्रतिबंधित करने के लिये विभिन्न देशों द्वारा अथक और सतत प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में अपेक्षित सुधार न होना चिन्तनीय है और इस दिशा में इस दिन व्यापक विमर्श के पश्चात ऐसे उपाय किये जाते हैं, जिससे इस समस्या की जड़ पर प्रहार की राह बने। बाल श्रमिकों की समस्या एक वैश्विक समस्या है मगर भारत जैसे विकासशील देशों में इस समस्या पर गंभीर प्रयास हुए हैं और इसको इस बात से समझा जा सकता है कि बाल श्रमिकों के उन्मूलन के लिए भारत के एक्टिविस्ट कैलाश सत्यार्थी को शान्ति का नोबल पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। भारत सहित अनेक देशों में शिक्षा के विस्तार के साथ इस समस्या के समाधान की युक्ति का काम हो रहा है। बाल श्रम के निषेध की दिशा में आम आदमी की आर्थिक स्थिति में सुधार यानी गरीबी उन्मूलन और बच्चों की शिक्षा पर जोर को दो जरूरी कारक माना जा रहा है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बाल श्रम की स्थिति पर होता है विमर्श

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा वर्ष 2002 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की वैश्विक समस्या पर ध्यान केंद्रित करना और बाल श्रम को पूरी तरह से खत्म करने के लिये आवश्यक प्रयास करना था। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनीसेफ की रिपोर्ट पर आधारित नवीनतम वैश्विक अनुमान बताते हैं कि दुनिया भर में बाल श्रम में बच्चों की संख्या अब बढ़कर एक सौ साठ मिलियन (सोलह करोड़) हो गई है। पिछले चार वर्षों में इसमें चौरासी लाख की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 की शुरुआत में विश्व स्तर पर 63 मिलियन लड़कियां और 97 मिलियन लड़के बाल श्रम में थे, जो दुनियाभर के बच्चों का लगभग दस प्रतिशत थे। इस रिपोर्ट में यह चेतावनी भी अंतर्निहित है कि बीस साल में पहली बार बाल श्रम को समाप्त करने के लिए वैश्विक प्रगति रुकी हुई है। पांच से सत्रह वर्ष की आयु के बच्चे, जो ऐसे खतरनाक नियोजन में कार्यरत हैं, जो उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा या नैतिकता को नुकसान पहुंचा सकते हैं, उनकी संख्या भी जो वर्ष 2016 में साढ़े छः मिलियन थी वो 2020 में बढ़कर उन्यासी मिलियन हो गई है, जो चिन्ता का विषय है। ऐसे खतरनाक श्रम में हाथों से सफाई, निर्माण में जुटे, कल-कारखानों में काम, कृषि में बड़े मजदूरों के समकक्ष काम, खदानों में काम, भवन निर्माण के काम, फेरी लगाकर उपभोक्ता सामग्री बेचने के काम और घरेलू नौकर के रूप में काम करने वाले बच्चे शामिल हैं। इस तरह के श्रम बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और नैतिक विकास को तो खतरे में डालते ही हैं इसके कारण बच्चे सामान्य बचपन और उचित शिक्षा से भी वंचित रह जाते हैं।

अभिशाप और भविष्य के साथ खिलवाड़ है बाल श्रम

बाल श्रम आमतौर पर मजदूरी के भुगतान के बिना या भुगतान के साथ बच्चों से शारीरिक कार्य कराना है। बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक समस्या है। यूनीसेफ के अनुसार, बच्चों को काम पर इसलिये रखा जाता है,

क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता (वे अपने बच्चों को स्कूल की बजाय काम पर भेजने के इच्छुक होते हैं, ताकि परिवार की आय बढ़ सके) यह कुछ अन्य कारण हैं। भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है, लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या है।

कोरोना संक्रमण काल में बढ़ी थी बाल श्रम बढ़ने की आशंका

कोरोना वायरस के फैलने से लगे लॉकडाउन ने दुनिया और भारत में मानव जीवन और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। हालांकि, लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद के लिए सामाजिक दूरी के मानदण्डों का पालन कर रहे थे, फिर भी विशेषज्ञों के अनुसार जैसी कि आशंका थी कुछ बच्चे लॉकडाउन के निवारक उपायों के कारण बाल श्रम के शिकार हुए। भारत सरकार ने महामारी के बाद से देशव्यापी स्कूल बन्द करने की घोषणा की। विशेषज्ञों के अनुसार इस बन्द ने उन बच्चों को बुरी तरह प्रभावित किया, जो पहले से ही शिक्षा का लाभ नहीं ले रहे हैं। इस स्थिति ने अनेक कमजोर वर्ग के बच्चों को बाल श्रम में धकेल दिया गया।

जिस पर कोरोना संक्रमण के बाद विशेषज्ञों ने विचार कर उपचारात्मक उपाय किए। भारत में किसानों और खेतिहर मजदूरों के बच्चों पर भी इसका प्रभाव पड़ा। घर पर होने से उनके बच्चे खेतों में बुआई और कटाई के दौरान माता-पिता की मदद करने लगे। कारखानों, खेती या अन्य काम-काज में लगे दिहाड़ी मजदूर, पैसा कमाने में असमर्थ थे। उन्हें परिवार का पालन-पोषण करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य स्थिति फिर से स्थापित होने के बाद भी बड़ी संख्या में बच्चे अपनी शिक्षा जारी नहीं रख सके और ऐसे स्कूली बच्चों में से एक बड़ी संख्या में बाल श्रम में लिप्त होने की आशंका रही मगर भारत सरकार ने स्थिति पर नियंत्रण पा लिया।

बाल श्रम निषेध के विधिक प्रावधान भारतीय संविधान में हैं

संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप भारत का संविधान मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों की विभिन्न धाराओं के माध्यम से कहता है कि चौदह साल के कम उम्र का कोई भी बच्चा किसी फैक्टरी या खदान में काम करने के लिये नियुक्त नहीं किया जाएगा और न ही किसी अन्य खतरनाक नियोजन में नियुक्त किया जाएगा। इसी प्रकार राज्य अपनी नीतियां इस तरह निर्धारित करेंगे कि श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं का स्वास्थ्य तथा उनकी क्षमता सुरक्षित रह सके तथा बच्चों का कम उम्र में शोषण न हो एवं आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये वे अपनी उम्र व शक्ति के प्रतिकूल काम न करें। बच्चों को स्वस्थ तरीके से स्वतंत्र व सम्मानजनक स्थिति में विकास के अवसर तथा सुविधाएं दी जायेंगी और बचपन व जवानी को नैतिक व भौतिक दुरुपयोग से बचाया जाएगा। संविधान लागू होने के दस साल के भीतर राज्य चौदह वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करेंगे। बाल श्रम एक ऐसा विषय रहेगा जिस पर संघीय और राज्य सरकारें, कानून बना सकेंगी। गोया हमारे संविधान में बाल श्रम निषेध की समुचित व्यवस्था है, जरूरत है उस पर प्रभावी अमल की।

बाल श्रम निषेध के लिये उठाये गये भारत सरकार के महत्वपूर्ण कदम

भारत में केंद्र सरकार द्वारा बाल श्रम निषेध के लिये कई महत्वपूर्ण विधिक कदम उठाये हैं। इनमें सबसे प्रमुख है - बाल श्रम (निषेध व नियमन) कानून 1986 का लागू होना। इस पारित कानून में चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी अवैध पेशे और अधिसूचित सत्तावन प्रक्रियाओं में, जिन्हें बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के लिये अहितकर माना गया है, उनमें नियोजन को निषिद्ध बनाता है। इन पेशों और प्रक्रियाओं का उल्लेख कानून की अनुसूची में किया गया है। इधर कारखाना अधिनियम, 1948 में भी बाल श्रम निषेध के प्रावधान हैं। यह कानून चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नियोजन को निषिद्ध करता है इस कानून के अनुसार पन्द्रह से अट्ठारह वर्ष तक के किशोर किसी फैक्टरी में तभी नियुक्त किये जा सकते हैं, जब उनके पास किसी अधिकृत चिकित्सक का फिटनेस प्रमाण पत्र हो। इस कानून में इस आयु के बच्चों के लिये हर दिन साढ़े चार घंटे की कार्यावधि तय की गई है और उनके रात में काम करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारत में बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से आया, जिसमें संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं और पेशों में काम करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें काम से हटाने और गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया गया। न्यायालय ने यह आदेश भी दिया था कि एक बाल श्रम पुनर्वास सह कल्याण कोष की स्थापना की जाए, जिसमें बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं के अंशदान का उपयोग हो।

बाल श्रम की समस्या के हल के लिये सभी स्तर पर कोशिश जरूरी है

बाल श्रम की समस्या के मूलभूत कारणों पर यदि हम विचार करें तो समस्या का मुख्य कारण निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याओं का निदान नहीं हो पायेगा। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक है। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए, जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है, जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र. 1 सागर

फोन नं. - 07582-222296, ईमेल आई.डी. - eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं. - 05/2022-23/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण सागर, दिनांक : 23.05.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सागर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। अनुमानित लागत रु. 174.75 लाख (ग्रुप क्र. 1) 1. बामोरा केंद्र पटकुई मार्ग (एन.एच. 934 से एन.एच. 36 वाया बामोरा रोड) लं. 2.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 5198 लाख
2. सदर गयागंज गढपहरा, मुहाल श्यामपुरा मार्ग कि.मी. 2, 3, 4 = 3.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 29.27 लाख
3. मसुरयाई तोड़ा मार्ग कि.मी. 2, 3, 4, 5 = 4.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 39.03 लाख
4. राहतगढ़ वाटर फाल पहुंच मार्ग लं. 1.20 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 9.58 लाख
5. बरोदा बंसिया नारायणपुर मार्ग लं. 4.60 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 44.89 लाख

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
2022_PWDRB_206467_1	सागर	17475000	174750	12500	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सागर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। अनुमानित लागत रु. 179.14 लाख (ग्रुप क्र. 2)
1. चनाटोरिया कर्रापुर मार्ग कि.मी. 1/2 से 4/6 एवं 5/2 से 7/2 = 6.40 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 131.90 लाख
2. सेंट्रल स्कूल क्र. 3 पहुंच मार्ग लं. 0.35 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 12.49 लाख
3. रेस्ट हाउस/सर्किट हाउस एवं भवनों के पहुंच मार्ग लं. 2.50 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 34.75 लाख

2022_PWDRB_206468_1	सागर	17914000	179140	12500	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग खुरई के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। अनुमानित लागत रु. 117.69 लाख (ग्रुप क्र. 1)
1. पी.जी. कॉलेज बीना पहुंच मार्ग लं. 1.50 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 14.64 लाख
2. बीना आगासोद कंजिया मार्ग के कि.मी. 1/10, 2, 3, 4/2, 4/4, 5/6, 5/8, 5/10, 6/2, 6/8, 6/10, 7/2, 7/4, 7/6, 8/6, 8/8, 8/10 = 5.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 103.05 लाख

2022_PWDRB_206470_1	सागर	11769000	117690	12500	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। अनुमानित लागत रु. 200.54 लाख (ग्रुप क्र. 1)
1. बीना रीछई मार्ग लं. 7.50 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 73.17 लाख
2. देवरी केसली (संजय निकुंज) मार्ग लं. 6.20 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 60.50 लाख
3. एन.एच. 26 का छूटा भाग (धुलतरा) लं. 2.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 19.52 लाख
4. देवरी सरईवन मार्ग लं. 4.85 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 47.33 लाख

2022_PWDRB_206471_1	सागर	20054000	200540	15000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बंडा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। अनुमानित लागत रु. 376.62 लाख (ग्रुप क्र. 1)
1. बंडा बरायठा मार्ग कि.मी. 11 से 20 = 10.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 206.10 लाख
2. दलपतपुर बरा मार्ग कि.मी. 6/4-10, 7/2, 10 एवं 8/2, 10 = 3.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 61.83 लाख
3. नैनागिर बमनोरा मार्ग लं. 4.80 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 98.93 लाख
4. अमरपुर दत्या मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 = 1.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 9.76 लाख

2022_PWDRB_206472_1	सागर	37662000	376620	15000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बंडा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। अनुमानित लागत रु. 375.74 लाख (ग्रुप क्र. 2)
1. बंडा बरा केरबना मार्ग के कि.मी. 23 से 29 = 7.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 144.27 लाख
2. बंडा बांदरी मार्ग के कि.मी. 17 से 26 = 10.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 206.10 लाख
3. बंडा विनायका मार्ग लं. 2.60 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 25.37 लाख

2022_PWDRB_206474_1	सागर	37574000	375740	15000	04 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. केसली देवरी मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य लं. 6.20 कि.मी.।

2022_PWDRB_206475_1	-	25493000	254930	15000	08 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. सिटी लिंक मार्ग सागर से आर.सी.सी. ड्रेन, फुटपाथ फिक्सिंग, इंटरलॉक, पेवर ब्लॉक, रोड सेफ्टी एवं पाइप रेलिंग का शेष कार्य।

2022_PWDRB_206476_1	-	25791000	257910	15000	06 माह	-

193732000

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 24.05.2022 समय 10.00 से दिनांक 06.07.2022 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-13769/47177/2022 **लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र. 1 सागर**

वैक्सीन दवा नहीं जिन्दगी है, कोविड से सबको ही बंदगी है।

एमजीएम अलाइड हेल्थ साइंसेस इंस्टीट्यूट (MAHSI)
महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय
(स्वशासी संस्था) इन्दौर (म.प्र.)

क्र. 1695/स्था/MAHSI/2022 **इन्दौर, दिनांक : 30.05.2022**

विज्ञप्ति

स्ववित्त स्वायत्त संस्था स्टेट अलाइड हेल्थ साइंसेस इंस्टीट्यूट (MAHSI), महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय (स्वशासी संस्था), इन्दौर के अंतर्गत निम्नांकित रिक्त पदों की पूर्ति के लिए संविदा आधार पर (11 माह नियत अवधि) नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं -

क्र.	पद का विवरण	पद संख्या
1.	सहायक फिजियोथेरेपिस्ट	01 (अनारक्षित)
2.	सहायक लाइब्रेरियन	01 (अनारक्षित)

नोट - आवेदन जमा करने की **अंतिम तिथि 30 जून 2022 अपराह्न 4.00 बजे तक** है। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप व आवेदन शुल्क आदि की जानकारी संस्था MAHSI की वेबसाइट **www.mahsimgm.in** एवं चिकित्सा महाविद्यालय, इन्दौर की वेबसाइट **www.mgmmcindore.in** पर उपलब्ध है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं
सम्बद्ध चिकित्सालय (स्वशासी संस्था), इन्दौर

जी-13741/47175/2022

मध्यप्रदेश शासन
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग
कौशल विकास संचालनालय, मध्यप्रदेश
(विज्ञप्ति)
आईटीआई में सत्र 2022 में प्रवेश का कार्यक्रम

मध्यप्रदेश स्थित शासकीय एवं प्रायवेट आईटीआई में एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी के लिये इंटरनेट के माध्यम से अपने स्तर से अथवा एमपी ऑनलाइन के अधिकृत सहायता केन्द्रों से अथवा एमपी ऑनलाइन के मध्यप्रदेश स्थित किसी भी कियोस्क से **iti.mponline.gov.in** के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन की तिथि 12.05.2022 से बढ़ाकर **30.06.2022** कर दी गई है। च्वाईस फिलिंग दिनांक 15.06.2022 से 30.06.2022 तक की जावेगी।
शासकीय अथवा प्रायवेट आईटीआई में प्रवेश के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। अतएव समस्त इच्छुक आवेदक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग आवश्यक रूप से करें। रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग की **अंतिम तिथि 30.06.2022** निर्धारित है। आईटीआई में प्रवेश के लिये डिजिटल जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य है तथा अन्य जानकारी विभाग के पोर्टल **dsd.mp.gov.in** तथा **iti.mponline.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है।

संचालक

जी-13775/47184/2022 **कौशल विकास संचालनालय**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र. 1 सागर

फोन नं. - 07582-222296, ईमेल आई.डी. - eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं. - 06/2022-23/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण सागर, दिनांक : 25.05.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपाजिट कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
2022_PWDRB_206853_1	सागर	5000000	50000	5000	06 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के अंतर्गत आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपाजिट कार्य।

2022_PWDRB_206854_1	सागर	5000000	50000	5000	06 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बण्डा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपाजिट कार्य।

2022_PWDRB_206855_1	सागर	5000000	50000	5000	06 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बण्डा के अंतर्गत आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत, एम.ओ.डब्ल्यू. डिपाजिट कार्य।

2022_PWDRB_206857_1	सागर	5000000	50000	5000	06 माह	-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग देवरी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच मरम्मत कार्य।

2022_PWDRB_206858_1	सागर	5000000	50000	5000	06 माह	-

25000000

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 26.05.2022 समय 10.00 से दिनांक 12.07.2022 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-13767/47176/2022 **लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र. 1 सागर**

मान (मेयो) ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, एवं म.प्र. नर्सिंग काउंसिल एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश सत्र 2022-23

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग **(एम.एस.सी नर्सिंग)**– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी **(एम.पी.टी.)** योग्यता बी.पी.टी.	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन **(एम.एम.एल.टी.)** योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
4.	बैचलर इन फिजियोथेरेपी **(बी.पी.टी.)** 6 माह इंटर्नशिप	4 वर्ष
5.	बैचलर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन **(बी.एम.एल.टी.)**	3 वर्ष
6.	बी एस, सी इन एक्स–रे **(बी.एक्स.आर.टी)**	3 वर्ष
7.	पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग–योग्यता **जी.एन.एम.**	2 वर्ष
8.	डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन **(डी.एम.एल.टी.)**	2 वर्ष
9.	सर्टिफिकेट इन **एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन**	1 वर्ष
10.	ओ.टी. टेक्निशियन **(ऑपरेशन थ्रीएटर)**	1 वर्ष

क्रमांक 4 से लेकर क्रमांक 6 तक एवं क्रमांक 8 से लेकर क्रमांक 10 के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है। LAKECITY

R-47182/2022

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
ईमेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2467680

क्र./जन.सं./का.यं./2022/480 दिनांक : 03/06/2022

// विज्ञप्ति //

निविदा सूचना क्रमांक/E.E./2022/Gwalior/403/27.05.2022 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अन्तर्गत हाउस कीपिंग कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा **2022_RVSKV_208954_1** आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि **24.06.2022** तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल **https:www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर ATUL

R-47179/2022

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो. वि. निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./610/तशा/प.यं./2022 **दिनांक 07.06.2022**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी भोपाल में फाइनल रेंज, ट्रेप एण्ड स्कीट रेंज आदि निर्माण/विकास कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2022_MPPHC_209242_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.06.2022 समय 17.00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/105231/47178/2022 **परियोजना यंत्री**

मिट्टी बचाने के लिए सरकार और ईशा फाउंडेशन मिलकर करेंगे कार्य

मिट्टी बचाने के लिये जन जागरण अभियान

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि परम पूज्य सद्गुरू श्री वासुदेव जग्गी के मिट्टी बचाने के संदेश को प्रदेश के हर गांव और विकासखंड तक ले जाया जाएगा। राज्य सरकार इस दिशा में ईशा फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्य करेगी। मिट्टी बचाने के लिए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सेव स्वाइल अभियान में जन-जागरण गतिविधियां चलाई जायेंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईशा फाउंडेशन और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के बीच एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर के बाद मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा में यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिट्टी बचाने के लिए राज्य शासन और ईशा फाउंडेशन जो रोडमैप बनायेंगे, उसे जन अभियान परिषद और ईशा फाउंडेशन मिलकर क्रियान्वित करेंगे।

श्री चौहान और परम पूज्य श्री सद्गुरू वासुदेव जग्गी की उपस्थिति में एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। यह एम.ओ.यू. मिट्टी बचाने के लिए अभियान संचालित करने के संबंध में है। अटल विहारी वाजपेई सुशासन संस्थान में संक्षिप्त कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक श्री बी.आर. नायडू, उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार तथा फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 04/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2022-23 **भोपाल, दिनांक : 25.05.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. शहडोल जिले के बेलहा-चौरी मार्ग में सोन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2022_PWDRB_206676_1	शहडोल	पुल कार्य	प्रथम	1939.92	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. जबलपुर जिले के बेलखाडू, पिपरिया उमरिया पनागर मार्ग में परियट नदी (बघौड़ा रपटा) पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206677_1	जबलपुर	पुल कार्य	प्रथम	1263.65	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. शहडोल जिले के ढोंढा बेलहा मार्ग में ओदारी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206678_1	शहडोल	पुल कार्य	प्रथम	1182.38	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. जबलपुर जिले के विकासखण्ड कुण्डम अंतर्गत रानीपुर से बिलगडा (गौमुख) मार्ग में गौर नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206679_1	जबलपुर	पुल कार्य	प्रथम	814.35	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. शहडोल जिले के नवागांव भटनगवां मार्ग में चूंदी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206680_1	शहडोल	पुल कार्य	प्रथम	703.83	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. रीवा जिले के बरेती खुर्द से उसकी मार्ग के कि.मी. 1/6 में सुकाढ नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206681_1	रीवा	पुल कार्य	प्रथम	660.25	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. कटनी जिले के अंतर्गत घघरीकला से घघरीखुर्द के मध्य अलोनी नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206682_1	कटनी	पुल कार्य	प्रथम	606.23	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. शहडोल जिले के नादो से चचाई मार्ग में समधिन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_206683_1	शहडोल	पुल कार्य	प्रथम	516.70	केवल ऑनलाइन
कुल योग				**7687.31**	

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.06.2022 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-13773/47183/2022 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

जल के सदुपयोग और वर्षा की हर बूंद को संचित करने का लें संकल्प

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्व भू-गर्भ जल-दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया से दिए गए संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल बचायें तो जीवन समृद्ध होगा। भू-जल स्रोत तेजी से रसातल में जा रहा है। बढ़ते प्रदूषण और अंधाधुंध जल दोहन के कारण स्वच्छ जल की उपलब्धता अत्यंत कम होती जा रही है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि 'जल है तो कल है।'

श्री चौहान ने कहा कि हमें वॉटर हार्वेस्टिंग से भू-जल स्तर को रिचार्ज करना होगा। 'वर्ल्ड ग्राउंड वाटर-डे' पर हम सभी जल के सदुपयोग, वर्षा की हर बूंद को संचित करने, जल-संरक्षण के सभी उपाय अपनाने और अधिकाधिक पौधे लगाने का संकल्प लें।

त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए मतपेटियों का करें सुनियोजित प्रबंधन

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिलों में उपलब्ध उपयोगी मतपेटियों की चरणवार आवश्यकता के आकलन तथा उपलब्ध मतपेटियों के अधिकतम सदुपयोग और प्रबंधन, आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार करें। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन वर्ष-2022 तीन चरणों में समस्त पदों के चुनाव मतपत्र/मतपेटी से कराए जा रहे हैं।

मतदान केंद्र पर मतपेटी

प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक मतपेटी देने का प्रावधान है। वर्तमान में प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए इन निर्देशों में परिवर्तन किया जा रहा है। पंचायत आम निर्वाचन-2022 में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता संख्या 500 तक होने पर एक बड़ी मतपेटी, 501 से 700 तक मतदाता होने पर एक बड़ी और एक छोटी मतपेटी तथा 700 से अधिक मतदाता होने पर 2 बड़ी मतपेटी दी जाये।

त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन वर्ष 2022 के लिए निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम में मतदान की तिथियों में पर्याप्त अंतराल रखा गया है। जिलों में 2 अथवा 3 चरणों में निर्वाचन कराए जाने की स्थिति में, प्रथम चरण के लिए उपयोग में लाई गई मतपेटी को द्वितीय चरण में तथा इसी प्रकार द्वितीय चरण के लिए उपयोग में लाई गई मतपेटी को तृतीय चरण में भी उपयोग किया जाए। किसी एक चरण में सम्मिलित किए गए विकासखण्डों में मतदान/मतगणना के बाद उन विकासखण्डों में प्रयुक्त मतपेटियों को अगले चरण में सम्मिलित विकासखण्डों में मतदान के लिए भेजा जाएगा। इसके लिए जिले के भीतर अंतर्परिवहन का उपयुक्त प्लान तैयार किया जाए। विशेष परिस्थितियों में यदि जिला निर्वाचन अधिकारी विकासखण्ड मुख्यालय पर मतगणना का निर्णय लेते हैं तो इस स्थिति में मतगणना के तत्काल बाद मतपेटियों को अगले चरण के निर्वाचन के लिए (सामग्री वितरण के पूर्व) संबंधित विकासखण्ड में अनिवार्यतः भिजवाने की व्यवस्था करें।

आवश्यकता का आकलन

पंचायत आम निर्वाचन के पृथक-पृथक चरणों के लिए बड़ी एवं छोटी मतपेटियों की आवश्यकता का आकलन मतदाताओं की संख्या के वर्गीकरण के आधार पर किया जाए। प्रत्येक चरण में सम्मिलित विकासखण्डों में मतदाताओं की संख्या अनुसार निर्धारित मतदान केंद्रों की संख्या को आधार मानकर चरणवार मतपेटियों की आवश्यकता परिगणित की जाए। प्रत्येक जिले में चरणवार आवश्यक मतपेटियों की संख्या की गणना की जाकर तीनों चरणों में से किसी भी एक चरण में उपयोग की जाने वाली अधिकतम मतपेटियों की संख्या को जिले की न्यूनतम आवश्यकता मानकर वास्तविक आवश्यकता का आकलन किया जाए। किसी जिले के पास छोटी मतपेटियाँ नहीं/कम होने की स्थिति में छोटी मतपेटी के स्थान पर बड़ी मतपेटी दी जाए।

मतदान केंद्र की आकस्मिक आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक जोनल/सेक्टर अधिकारियों को पर्याप्त संख्या में रिजर्व मतपेटियाँ (छोटी/बड़ी) दी जाना चाहिए। इसके लिए जिले की आवश्यकत्ता का आकलन करते समय न्यूनतम 10 प्रतिशत मतपेटियां रिजर्व रखी जाएं तथा सामग्री वितरण के दौरान जोनल/सेक्टर अधिकारियों को दी जाएं।

मतपेटियों का अंतर्जिला परिवहन

आयोग स्तर से प्रत्येक जिले के लिए मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या को आधार मानकर मतपेटियों की चरणवार आवश्यकता का विस्तृत आकलन एवं विश्लेषण किया गया है। तदुपरांत 14 जिलों यथा-धार, देवास, खण्डवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, सीधी, उमरिया, अनूपपुर और कटनी में मतपेटियों की कमी है। इन जिलों को आवश्यक मतपेटियों की आपूर्ति, निकटस्थ जिलों से अंतर्जिला परिवहन के माध्यम से कराए जाने के आदेश जारी किये जा रहे हैं।

मानकों के आधार पर गणना किए जाने के बाद यदि किसी जिले में मतपेटियों की कमी परिलक्षित होती है तो 2 दिन में अतिरिक्त मतपेटी की मांग से आयोग को अवगत करायें।

वर्तमान में मतपेटी की स्थिति

जिलों में बड़ी मतपेटी 58 हजार 254 और छोटी मतपेटी 44 हजार 758 हैं। कुल मतदान केंद्र 71 हजार 643 हैं। प्रथम चरण में 27 हजार 49, द्वितीय चरण में 23 हजार 988 और तृतीय चरण में 20 हजार 606 मतदान केंद्रों में मतदान होगा।

कम्पनी सेक्रेटरी परीक्षा में देश भर में अव्वल रहीं - श्रुति नागर

कम्पनी सेक्रेटरी प्रोफेशनल और कम्पनी सेक्रेटरी एक्जीक्यूटिव की गत दिनों सम्पन्न फायनल परीक्षा में इन्दौर की श्रुति नागर ने कम्पनी सेक्रेटरी प्रोफेशनल्स संवर्ग में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। श्रुति नागर की इस सफलता पर हमने जब उनसे बातचीत की तो उन्होंने इस परीक्षा की तैयारियों और सफलता के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत है 'रोज़गार और निर्माण' के इस अंक में उनसे हुई बातचीत के सम्पादित अंश -

- **किसी भी राष्ट्रव्यापी प्रतियोगी परीक्षा में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना एक गौरव का क्षण होता है। श्रुति आपने कम्पनी सेक्रेटरी प्रोफेशनल्स की परीक्षा में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया इसके लिए हमारी बधाई स्वीकार करें। आप इस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करेंगी क्या आपको इसका अनुमान था?**

○ बधाई के लिए धन्यवाद। मैंने इस परीक्षा के लिये शुरू से ही लक्ष्य बना लिया था कि मैं टॉप करूँगी। इसी के चलते मैंने परीक्षा की तैयारियों के लिए विशेष रणनीति बनाई। मेरे बड़े भाई यश नागर भी सीए हैं। उनका भी मुझे बहुत सहयोग मिला। परिवार ने भी पूरा सहयोग दिया। मैंने सभी नौ विषयों की तैयारी के लिए बहुत मेहनत की। सभी को अध्याय के अनुसार बाँटा और सबके लिए समय निकाला। तीन से चार बार रिवीजन किया। श्रुति ने बताया कि पिता हेमंत नागर एक कम्पनी में मैनेजर हैं। माता रत्ना नागर कॉलेज में प्रोफेसर हैं। इन दोनों ने भी मेरी हिम्मत बढ़ाई।

- **आप अपनी इस सफलता का श्रेय किसको देना चाहेंगी?**

○ मैं इस बड़ी सफलता के लिए सबसे पहले अपने टीचर्स को इसका श्रेय देना चाहूंगी। उन्होंने मुझे अपनी क्षमता को पहचान कर कड़े परिश्रम का सुझाव दिया और अपनी कमजोरियां को पहचानने और उससे बचने की सलाह भी दी। मुझे सफलता का यह मुकाम अपने बड़े भाई के सहयोग से भी हासिल हुआ वे भी चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने मुझे हमेशा से ही पढ़ाई के लिए प्रेरित भी किया और सतत मार्गदर्शन भी दिया। मैं अपने माता-पिता को भी इसका श्रेय देना चाहूँगी क्योंकि उन दोनों ने पढ़ाई को लेकर हमेशा से ही मुझे सपोर्ट किया। कोरोना संक्रमण के दौरान परिवार भी संक्रमित हुआ था,

परन्तु परिवार में संक्रमण फैलने के बाद भी मेरी पढ़ाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने दिया अतः इस सफलता का सबसे अधिक श्रेय परिवार को ही जाता है।

- **आपने इस प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे की थी और उसके लिए क्या रणनीति अपनाई थी?**

○ मैं इन्दौर में ही बी.कॉम. की छात्रा हूँ और कॉलेज की पढ़ाई के साथ ही मैंने सीएस की तैयारी की थी। कम्पनी सचिव की इस मुख्य परीक्षा के पहले मैंने उसके लिए तीन महीने सेल्फ स्टडी की। इस दौरान टेस्ट सीरीज को हल किया और प्रत्येक विषयों की बराबर तैयारियां कीं। मैंने सभी नौ सब्जेक्ट की तैयारी के लिए काफी मेहनत की। सभी सब्जेक्ट को चैप्टरवाइज बाँटा और फिर सभी सब्जेक्ट के लिए समय निकाला। इसमें भी सिलेबस के हिसाब से सब्जेक्ट को टाइम दिया। इसके अलावा तीन से चार बार सब्जेक्ट्स का रिवीजन किया। पहले रिवीजन में 10 दिन का दूसरे रिवीजन में 6 दिन का तो, तीसरी रिवीजन में 4 दिन का समय लगा। मैं फिलहाल श्री क्लाथ मार्केट कन्या वाणिज्य कॉलेज से बी.कॉम. फाइनल की तैयारी कर रही हूं। वैसे तो मैं रोज आठ से दस घंटे पढ़ाई करती थी और किसी भी विषय में दिक्कत आने पर शिक्षकों की सहायता भी लेती थी मगर परीक्षा की अंतिम तैयारी करने के दौरान मैंने दस से ग्यारह घण्टे तक पढ़ाई की। सभी विषयों को बराबर समय दिया। परीक्षा के चार महीने पहले परीक्षा को लेकर समूचे फोकस के साथ तैयारी शुरू की।

- **अब आगे आपकी क्या योजना है। क्या आप चार्टर्ड अकाउन्टेन्सी को अपना कॅरियर बनाना चाहेंगी?**

○ अभी तक तो यही विचार है। अभी मेरा पूरा ध्यान परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद होने वाली दो साल की ट्रेनिंग पर लगा है और यह ट्रेनिंग चूँकि इस प्रोफेशन के व्यवहारिक पक्ष को मजबूत करती है अतः मैं इस पर ज्यादा ध्यान दे रही हूँ। मेरे भाई यश नागर जो चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट हैं वे चाहते हैं कि मैं इस पेशे में विशेषज्ञता हासिल करूँ। इस एक विशेषज्ञता से ही मैं इस पेशे में अच्छा मुकाम बना पाऊंगी।

- **आप अपने अनुभव के आधार पर 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के लिए क्या कहना चाहेंगी?**

○ यही कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी सामान्य परीक्षा की तुलना में अधिक परिश्रम और अधिक एकाग्रता से करनी चाहिए तभी अभीष्ट सफलता मिलती है। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए आपको समूचे सिलेबस के हिसाब से तैयारी करना होती है इन परीक्षाओं में केवल चुने हुए अध्याय को पढ़ना जोखिम का काम हो सकता है। ऐसी किसी भी परीक्षा के लिये आपको अपनी क्षमता के प्रति एक विश्वास भी पैदा करना होगा।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

उच्च गुणवत्ता वाले शरबती गेहूं के लिए प्रसिद्ध है सीहोर

सीहोर, भोपाल संभाग में आने वाला मध्यप्रदेश का एक जिला है।

इसका गठन मध्यप्रदेश की स्थापना के साथ ही 1 नवंबर, 1956 को हुआ था। यह मालवा क्षेत्र के मध्य में विंध्याचल रेंज की तलहटी में स्थित है। सीहोर का लम्बा और गौरवशाली इतिहास रहा है।

सीहोर जिला एक समय में भोपाल रियासत का हिस्सा था। जब मध्यप्रदेश का गठन किया गया, तब भोपाल को मध्यप्रदेश की राजधानी तो बनाया गया लेकिन इसे सीहोर जिले के अंतर्गत ही रखा गया था। बाद में इसे 1972 में विभाजित कर एक नये जिले भोपाल का गठन किया गया था।

सीहोर राजधानी भोपाल से दक्षिण की ओर भोपाल-इंदौर राजमार्ग पर लगभग 39 किलोमीटर दूर स्थित है। यह भोपाल से रतलाम तक पश्चिमी रेलवे से भी जुड़ा हुआ है। सीहोर सात जिलों से घिरा हुआ है। ये सात जिले भोपाल, रायसेन, होशंगाबाद, देवास, शाजापुर, राजगढ़ और हरदा हैं। जिले में गोंड, भिलाला और कोरकू जनजातियां आदि निवास करती हैं।

सीहोर जिला अपनी उच्च गुणवत्ता वाले शरबती गेहूं के लिए प्रसिद्ध है। यह देश में सबसे प्रीमियम किस्म का गेहूं है।

इतिहास

शहीदों की भूमि कहलाने वाला सीहोर एक पुराना जिला है जो नवाबी शासन काल से आज तक अस्तित्व में है। इसका पुराना नाम 'सिद्धपुर' था। सीवन नदी से मिली एक चट्टान के अनुसार, इसका नाम 'सिद्रपुर' था। एक पुराने दस्तावेज के मुताबिक सीहोर का नाम 'शेर' या लॉयन के नाम पर एंग्लो-इंडियन विचलन से अंग्रेजों द्वारा उच्चारण के कारण सीहोर हो गया था क्योंकि क्षेत्र के जंगलों में बड़ी संख्या में शेर पाए जाते थे।

सीहोर अवंति का अभिन्न अंग रहा है। बाद में यह मगध राजवंश, चंद्रगुप्त प्रथम, हर्षवर्धन, अशोक, राजा भोज, पेशवा प्रमुख, रानी कमलापति और भोपाल वंश के नवाबों के संरक्षण में था।

प्राचीन काल के ग्रंथों से संकेत मिलता है कि योग संप्रदाय के विख्यात संस्थापक महर्षि पतंजलि ने प्रार्थना और पूजा में यहां कुछ समय बिताया था। इसके अलावा, इस क्षेत्र में लोक-साहित्य में ऐसे गीत बहुत प्रचलित हैं जिनमें भगवान राम, लक्ष्मण और सीता के विभिन्न स्थानों पर जाने का संकेत मिलता है।

अर्थव्यवस्था

सीहोर जिला मुख्य रूप से कृषि प्रधान जिला है। जिले के 80 प्रतिशत से ज्यादा लोग खेती करते हैं, यहां ज्यादातर सोयाबीन की खेती की जाती है। जिले में बासमती चावल उगाया जाता है जो देशभर में प्रसिद्ध है।

सीहोर जिले की पहचान यहां होने वाला शरबती गेहूं है। सीहोर क्षेत्र में काली और जलोढ़ उपजाऊ मिट्टी है, जो शरबती गेहूं के उत्पादन के लिए उपयुक्त है। शरबती गेहूं को 'द गोल्डन ग्रेन' भी कहा जाता है, क्योंकि इसका रंग सुनहरा होता है। यह हथेली पर भारी लगता है और इसका स्वाद मीठा होता है इसलिए इसका नाम शरबती है। इसकी कीमत गेहूं की अन्य किस्मों में सबसे ज्यादा है।

कृषि उपज मंडी, चीनी उद्योग, तेल, फूड उद्योग और अरहर संयंत्र सहित कई औद्योगिक इकाइयां भी यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे रही हैं।

सीहोर जिला – प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन - 1 नवंबर, 1956
2. संभाग - भोपाल
3. जिला मुख्यालय - सीहोर
4. क्षेत्रफल - 6578 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या - 13,11,332 (पुरुष - 6,83,743, महिलाएं- 6,27,589)
6. लिंगानुपात - 918
7. जनघनत्व - 128 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता - 59.50%
9. तहसीलें - 9 (सीहोर शहरी, श्यामपुर, सीहोर ग्रामीण, बुधनी, आष्टा, इछावर, जावर, रेहटी और नसरुल्लागंज)
10. राजस्व अनुभाग - 5
11. ग्राम पंचायत - 497
12. ग्राम - 1069
13. नगर पंचायत - 7
14. नगर पालिका - 2
15. कृषि उपज मंडी - 7
16. विधानसभा क्षेत्र - 4 (सीहोर, आष्टा, इछावर, बुधनी)
17. लोकसभा क्षेत्र - 3 (भोपाल, विदिशा और देवास तीनों आंशिक)
18. भाषा एवं बोली - हिन्दी, मालवी

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सीहोर जिले से होकर पार्वती नदी बहती है। यह नदी जिले के सिद्दिगंज गांव से निकलती है, इसके उद्गम स्थल पर ही रामपुर डैम बना हुआ है। इसकी सहायक नदियों में ल्हासी, अंधेरी, विलास, बरनी, बैंथली आदि प्रमुख हैं। जिले में सीप नदी भी बहती है। नर्मदा, दूधी, नेवाज, कोलार, पापनास, कुलन, सीवन, लोटिया और अन्य नदियां भी जिले को प्राकृतिक संपदा से समृद्ध बनाने में अपना योगदान दे रही हैं।
- सीहोर में क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी सत्ता को बेदखल कर करीब छह माह तक शासन संचालित किया था। सन् 1824 में नरसिंहगढ़ रियासत के देशभक्त युवराज कुंवर चैनसिंह अंग्रेजों से लड़ते हुए सीहोर के दशहरा वाला मैदान में शहीद हो गए थे। उनकी समाधि छतरी के रूप में सीहोर-इंदौर रोड पर लोटिया नदी के तट पर बनाई गई है। शासन द्वारा प्रति वर्ष जुलाई माह में इनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित कर गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है।
- सीहोर में स्थित ऑल सेंट्स चर्च का निर्माण सन् 1838 में ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट द्वारा करवाया गया था। यह इमारत स्कॉटलैंड के एक चर्च की सटीक प्रतिकृति है।
- सीहोर जिले की बुधनी तहसील में रेलवे स्लीपर बनाने का कारखाना है। यहां पर केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान भी स्थित है।
- बुधनी-सलकनपुर मार्ग पर पान गुराड़िया गांव के पास प्राचीन मठ परिसर और सरू-मरू की बौद्धकालीन गुफाएं हैं। पुरातात्विक महत्व की इन गुफाओं में कई बौद्ध भित्तिचित्र जैसे स्वस्तिक, त्रिरत्न, कलश आदि पाए गए हैं। मुख्य गुफा में अशोक के दो शिलालेख पाए गए थे, इनमें से एक शिलालेख में अशोक के पुत्र महेंद्र कुमार की यात्रा का उल्लेख है। अन्य शिलालेख के अनुसार सम्राट अशोक जब विदिशा में निवास करते थे, तब उन्होंने इस स्थल की यात्रा की थी।
- गोपालपुर गांव में स्थित अति प्राचीन सिद्ध गणेश मंदिर में प्रत्येक बुधवार बड़ी संख्या में भक्त दर्शन को आते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, यह उज्जैन के राजा विक्रमादित्य के समय का है और मराठा पेशवा बाजीराव के द्वारा नवीनीकृत किया गया है।
- सीहोर के कलेक्टर कार्यालय के उद्यान में करीब 175 वर्ष पुरानी संगमरमर की सूर्य घड़ी लगी है, जो सूर्य की छाया से समय बताती है। इस घड़ी का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में 1840-41 के दौरान किया गया था।
- रेहटी तहसील मुख्यालय के पास सलकनपुर गांव में 800 फुट ऊंची पहाड़ी पर विंध्यवासिनी वीजासन देवी माता का बहुत ही प्राचीन मंदिर स्थित है। मंदिर तक पहुंचने के लिए रोपवे की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा जिले में दो हजार साल पुराना चिंतामन गणेश मंदिर, रामकुइयां मंदिर, मध्ययुगीन जैन मंदिर, बड़ोया खेड़ी का राम लला मंदिर, जामा मस्जिद, सीवन नदी के तट पर स्थित हनुमान गढ़ी, काकखेड़ा माता मंदिर, इछावर के पास बारह खंभा मंदिर, कोलार डैम, नदियावला झरना, गिन्नौरगढ़ किला सहित कई ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के पर्यटन स्थल हैं।
- बुधनी तहसील के बुधनी-शाहगंज मार्ग पर बांदराबांध घाट स्थित है। यह नर्मदा नदी तथा तवा नदी का संगम स्थल है। यहां प्रति वर्ष मकर संक्रांति तथा कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।
- सीहोर जिले की इछावर तहसील के गांव बाराखंबा में दीपावली के दूसरे दिन पड़वा पर बाराखंबा देव स्थान पर मेला लगता है जिसमें क्षेत्र से बड़ी संख्या में किसान दूध चढ़ाने के लिए पहुंचते हैं तथा खुशहाली की कामना करते हैं। मान्यता है कि बाराखंबा देव स्थान पर दूध चढ़ाने से पशु निरोगी रहते हैं।

रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं।)

पेसा एक्ट नियमों को शीघ्र अंतिम स्वरूप दिया जाए - राज्यपाल

भोपाल, पेसा एक्ट नियमों को शीघ्र ही अंतिम स्वरूप दिया जाए। समय-सीमा तय कर इस कार्य को पूर्ण किया जाये। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में पेसा एक्ट के प्रावधानों पर जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुये कही। बैठक दो सत्र में हुई। प्रथम-सत्र में सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण और गृह विभाग एवं दूसरे सत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास और विधि-विधायी कार्य विभाग से संबंधित प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया गया।

श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि पेसा एक्ट का धरातल पर अमल ही समावेशी समाज निर्माण प्रयासों का आधार है। उन्होंने कहा कि जब जागें, तब सवेरा के भाव से कार्य को शीघ्र पूर्ण किया जाए। सबका विश्वास, साथ और प्रयास सफलता का आधार है।

बैठक के दोनों सत्र में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य सचिव श्री बी.एस. जामोद, सदस्यगण, प्रथम-सत्र में प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण श्री प्रतीक हजेला, गृह सचिव श्री गौरव राजपूत, द्वितीय-सत्र में प्रमुख सचिव विधि-विधायी कार्य श्री बी.के. द्विवेदी, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव, संचालक पंचायत श्री आलोक सिंह शामिल हुए।

कक्षा 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षा की समय सारिणी में आंशिक संशोधन

भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्ध विद्यालयों की कक्षा 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षा 2022 की समय सारिणी में आंशिक संशोधन किया गया है। कक्षा 12वीं के सभी विषयों की पूरक परीक्षाएं सोमवार 20 जून और 10वीं की मंगलवार 21 जून से शुरू होकर एक जुलाई तक चलेंगी। साथ ही हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक (द्वितीय अवसर) पूरक परीक्षा मंगलवार 21 जून से 30 जून तक होगी। परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे के बीच निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होंगी। संशोधित पूरक परीक्षा कार्यक्रम मण्डल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर देखे जा सकते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम और तिथियों को दृष्टिगत रखते हुए पूरक परीक्षा के कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2022 की अंक सूचियां जिले स्तर पर सभी समन्वय संस्थाओं को सौंपी जा चुकी हैं। सभी संस्था प्राचार्य अपने-अपने संस्थान की अंकसूचियां निर्धारित समन्वय संस्थान से प्राप्त कर छात्रों को वितरित करेंगे।

डी.एल.एड. (द्वि-वर्षीय पाठ्यक्रम) मुख्य परीक्षा प्रथम वर्ष या द्वितीय वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा के परीक्षार्थी 8 से 15 जून तक अंतिम नियत शुल्क के साथ ऑनलाइन परीक्षा फार्म भर सकेंगे। संबंधित संस्थाएं नियत तिथि तक छात्रों के ऑनलाइन आवेदन-पत्र भर सकेंगी। इसके बाद अंतिम तिथि में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी।

आयोग की अनुमति बिना उप जिला निर्वाचन अधिकारी का प्रभार नहीं बदलें

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकायों के आम निर्वाचन का कार्यक्रम जारी हो चुका है। ऐसी स्थिति में किसी भी उप जिला निर्वाचन अधिकारी के प्रभार में आयोग की अनुमति के बिना परिवर्तन नहीं किया जाये। श्री सिंह ने कहा है कि शासन द्वारा उन्हें स्थानांतरित करने की अवस्था में भी आयोग के अनुमोदन के बिना कार्यमुक्त नहीं किया जाये। साथ ही उप जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्वाचन के अतिरिक्त अन्य कार्यों के प्रभार से मुक्त रखा जाये।

जन अभियान परिषद

जनकल्याण कार्यों के लिए सामाजिक संस्थाओं को प्रदान करें मंच

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुये।

भोपाल, समाज सेवा के क्षेत्र में बेहतर सेवाएं देने स्वैच्छिक संगठनों का जाल बिछाने के लिए जन अभियान परिषद की महत्वपूर्ण और नेतृत्वकारी भूमिका है। परिषद की टीम एक जुनून के साथ समर्पित और मिशन के भाव से कार्य करती है। परिषद के पदाधिकारी इस आग को बुझने न दें। परिषद द्वारा उन संस्थाओं को मंच भी उपलब्ध करवाया जाए, जो विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्यों के इच्छुक हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में समृद्ध योजना में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुये कहीं।

जन अभियान परिषद ही कर सकती है संस्थाओं का नेतृत्व

श्री चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सामाजिक क्षेत्र में अच्छे कार्य हो रहे हैं। जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संस्थाएं आम जनता के हित में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। एक समय था जब इस परिषद के अस्तित्व पर प्रश्न-चिन्ह लगा दिया गया था। परिषद सामाजिक संस्थाओं की अम्ब्रेला है। समर्पण का यह भाव तिरोहित नहीं होना चाहिए। नागरिकों में भी समाज सेवा का जज्बा है। उन्हें एक प्रामाणिक संस्था की आवश्यकता होती है। जन अभियान परिषद ही सामाजिक संस्थाओं का नेतृत्व बेहतर तरीके से कर सकती है।

महिला स्व-सहायता समूहों के कार्य किसी आंदोलन से कम नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में महिला स्व-सहायता समूह के कार्य किसी आंदोलन से कम नहीं हैं। इन समूहों ने अद्भुत कार्य किया है। एक समय था जब मध्यप्रदेश में महिलाएं परिवार की भूमिका तक सीमित थीं। अब 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर स्व-सहायता समूहों का है। समूहों की गतिविधियों से महिलाओं ने आर्थिक प्रगति हासिल की है। उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

सामाजिक संस्थाएं आंगनवाड़ियों को सक्षम बनायें

श्री चौहान ने कहा कि सीहोर जिले के ग्राम जैत में आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चे कम वजन के थे। समाज के सहयोग से इन केंद्रों में पौष्टिक खाद्य सामग्री पहुंचाने के अभियान के बाद अब कोई बच्चा अंडर वेट नहीं है। इंदौर और भोपाल नगरों में आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए खिलौने और अन्य सामग्री एकत्र करने के आह्वान पर शानदार परिणाम सामने आए। मैं जब ठेला लेकर निकला तो एक-दो घंटे में जन सहयोग से भोपाल में 10 ट्रक और इंदौर में 40 ट्रक आवश्यक सामग्री से भर गए। यही नहीं भोपाल में एक करोड़ 86 लाख और इंदौर में करीब छह करोड़ रुपये की राशि चेक के माध्यम से दान-दाताओं द्वारा प्रदान की गई। इस राशि से आंगनवाड़ी केंद्रों को सुविधाजनक बनाने और संवारने में मदद मिलेगी। हर शहर में ठेला चलना चाहिए, ग्रामों में भी चलना चाहिए, किसानों से गेहूं, चना और मूंग प्राप्त कर आंगनवाड़ी केंद्रों को सहयोग किया जाए।

अमृत सरोवरों के निर्माण और जलाभिषेक अभियान में जुटें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव में प्रत्येक जिले में अमृत सरोवरों के निर्माण का आह्वान किया है। मध्यप्रदेश में प्रत्येक जिले में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। स्वैच्छिक संगठन भी ऐसे कार्यों से जुड़ जाएंगे, तो अमृत सरोवरों को प्रेरक स्थल बनाने में मदद मिलेगी। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर अमृत सरोवरों के पास राष्ट्रध्वज फहराए जाएंगे।

फोर्स, मैनपावर और मतपेटी की उपलब्धता की करें समीक्षा

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह भोपाल में निर्वाचन तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, संभाग के कमिश्नर और आई.जी. पंचायत और नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए आवश्यकतानुसार फोर्स, मैनपावर और मतदान पेटियों को एक से दूसरे जिले में भेजने की समीक्षा करें। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने यह निर्देश सभी संभागों के कमिश्नर और आई.जी. पुलिस से निर्वाचन तैयारियों और निर्वाचन से संबंधित सुरक्षा व्यवस्था समीक्षा बैठक में दिये। श्री सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की।

श्री सिंह ने कहा कि पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन साथ-साथ हो रहे हैं, अतः सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। प्रदेश में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए हर संभव कदम उठायें। ऐसा प्रयास हो कि कहीं भी अप्रिय स्थिति नहीं बने। जिलेवार समीक्षा कर लें। श्री सिंह ने कहा कि "स्थानीय निकायों के निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण अधिनियम" और "निर्वाचन के दौरान कानून एवं व्यवस्था" संबंधी पुस्तिका जरूर पढ़ लें। श्री सिंह ने कहा आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित करें। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, एनएसए, अवैध शराब की बिक्री पर रोक आदि की कार्यवाही करवायें। मतपत्रों की प्रिंटिंग व्यवस्था का निरीक्षण करें, जिससे समय पर कार्य हो सके।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने निर्वाचन कार्यक्रम, मतदान दल गठन, सुरक्षा प्रबंध, शस्त्र लाइसेंस निलंबन, संपत्ति विरूपण, आदि के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकासखण्ड स्तरीय मतगणना का प्रस्ताव आने पर अपने स्तर पर इसकी समीक्षा जरूर कर लें।

पेड न्यूज पर नियंत्रण के लिए गठित होगी एमसीएमसी

भोपाल, नगरीय निकायों के निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों और राज्य स्तर पर मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) का गठन किया जायेगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जरूरी निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को जारी कर दिये गए हैं। महापौर और पार्षद पद के अभ्यर्थियों के लिए निर्वाचन व्यय सीमा निर्धारित की गयी है।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि जिला निर्वाचन अधिकारी जिलों में पेड न्यूज से संबंधित प्रतिदिन आने वाले प्रकरणों और उन पर एमसीएमसी द्वारा लिये गए निर्णय की जानकारी निर्धारित प्रारूप में नियमित रूप से राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेंगे।

राज्य स्तरीय एमसीएमसी के अध्यक्ष सचिव राज्य निर्वाचन आयोग और सदस्य सचिव अपर/संयुक्त संचालक जनसंपर्क होंगे। समिति में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आम चुनाव के लिए नियुक्त एक प्रेक्षक, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मनोनीत निष्पक्ष प्रतिष्ठित नागरिक, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मनोनीत निष्पक्ष वरिष्ठ पत्रकार, समिति द्वारा सहयोजित एक विशेषज्ञ सदस्य होंगे।

जिला स्तरीय एमसीएमसी के अध्यक्ष कलेक्टर अथवा उनके द्वारा मनोनीत अपर कलेक्टर/मुख्य कार्यपालिका अधिकारी जिला पंचायत होंगे। सदस्य सचिव जिला जनसंपर्क अधिकारी होंगे। समिति में जिला मुख्यालय के नगरीय निकाय का सहायक रिटर्निंग अधिकारी, कलेक्टर द्वारा मनोनीत निष्पक्ष, प्रतिष्ठित नागरिक (जिसकी किसी राजनैतिक दल से संबद्धता नहीं हो) और कलेक्टर द्वारा मनोनीत निष्पक्ष वरिष्ठ पत्रकार सदस्य होंगे।

यदि कोई राजनैतिक दल या अभ्यर्थी यदि कोई विज्ञापन प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टीवी, केबल नेटवर्क, सिनेमा हाल, रेडियो) पर प्रकाशित/प्रसारित कराना चाहता है तो उसे निर्धारित प्रारूप (परिशिष्ट 'क') में आवेदन करना होगा। समिति द्वारा अनुमोदित/यथा संशोधित विज्ञापन का ही प्रकाशन एवं प्रसारण हो सकेगा।

पंजीकृत राजनैतिक दल एवं अभ्यर्थी को प्रस्तावित प्रकाशन/प्रसारण के दिनांक से 3 दिन पूर्व तथा अपंजीकृत राजनैतिक दल एवं अन्य आवेदक को 7 दिन पूर्व आवेदन करना होगा। समिति द्वारा प्रस्तुत ऐसे आवेदन पत्र का निराकरण दो कार्य दिवस के भीतर किया जायेगा एवं निर्धारित प्रारूप में आवेदक को समिति के निर्णय से अवगत कराया जायेगा

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

दया याचिकाओं का फास्ट ट्रैक में किया जाए निराकरण - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भोपाल में लंबित दया याचिकाओं के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, लंबित दया याचिकाओं का निराकरण फास्ट ट्रैक में किया जाना चाहिए। कारावास की अवधि 14 वर्ष की पूर्णता पर राहत प्रावधानों का गतिशीलता और संवेदनशीलता के साथ क्रियान्वयन किया जाना चाहिए। व्यवस्था का स्वरूप ऐसा होना चाहिए, जिसमें राहत के लिए सुपात्र व्यक्ति को एक दिन भी अतिरिक्त कारावास में नहीं रहना पड़े। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में लंबित दया याचिकाओं के संबंध में गृह, विधि-विधायी कार्य एवं जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजभवन में चर्चा करते हुये कहीं।

श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि राहत याचिका के सुपात्र को रिहाई की निश्चित तिथि आदि की व्यवस्थाओं के दृष्टिगत लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। कार्य का भाव और भावना शीघ्रता से राहत प्रदान करने की होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि दया याचिका के पात्र को राहत प्रावधानों का लाभ लेने के लिए आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने की पहल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के विरुद्ध छोटे-मोटे अपराधों पर पुनर्विचार का कार्य समय-सीमा में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासकीय नौकरी सेवा का कार्य है। अधिनियम में प्रभावी कार्रवाई के लिए दिल और दिमाग में पीड़ित के प्रति संवेदना और सहानुभूति होना जरूरी है। संवेदनशीलता के साथ किए गए कार्यों के परिणाम सदैव अच्छे होते हैं।

बैठक में राजभवन जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी कार्य श्री बी.के. द्विवेदी, महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं श्री अरविंद कुमार, अपर महानिदेशक पुलिस श्री राजेश गुप्ता, संचालक लोक अभियोजन श्री अन्वेष मंगलम और गृह सचिव श्री गौरव राजपूत, जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य सचिव श्री बी.एस. जामोद, सदस्य एवं अधिकारी मौजूद थे।

मध्यप्रदेश के

आठ जिलों को मिला खाद्य सुरक्षा पहल के लिए ईट-राइट चैलेंज पुरस्कार

नई दिल्ली, मध्यप्रदेश के 8 जिलों- इंदौर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर और सतना को एफडीए भवन में आयोजित कार्यक्रम में ईट-राइट चैलेंज फॉर सिटीज एंड डिस्ट्रिक्ट्स के तहत खाद्य सुरक्षा को लेकर सकारात्मक परिवर्तन के लिये सम्मानित किया गया। साथ ही मध्यप्रदेश की 4 स्मार्ट सिटी- इंदौर, जबलपुर, सागर और उज्जैन को ईट-स्मार्ट सिटीज चैलेंज में शीर्ष 11 स्मार्ट सिटी में स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर आयोजित हुये कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये। स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण एवं भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण सिंघल भी उपस्थित थे।

ईट-राइट चैलेंज फॉर सिटीज एंड डिस्ट्रिक्ट्स के तहत खाद्य सुरक्षा की पहलों को अपनाने, नियम और परिवर्तन को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देने के उद्देश्य से देश के 75 शहरों और जिलों को विजेता चुना गया है। इस स्पर्धा में देश के 188 शहरों ने अपना पंजीकरण किया था, जिनमें से सर्वोच्च अंकों के साथ इंदौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भोपाल, उज्जैन, जबलपुर ने क्रमशः 3, 5 और 7वां स्थान प्राप्त किया है। ग्वालियर को 12वां, रीवा को 17वां, सागर को 23वां और सतना को 74वां स्थान प्राप्त हुआ है। पुरस्कार खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा ग्रहण किये गये।

ईट-स्मार्ट सिटीज चैलेंज के तहत घरेलू स्तर पर रिसाइक्लिंग और अतिशेष भोजन दान करने की नीति के लिये इंदौर स्मार्ट सिटी को पुरस्कृत किया गया, जिसका पुरस्कार अतिरिक्त कलेक्टर श्री अभय बेडेकर ने ग्रहण किया। जबलपुर स्मार्ट सिटी को बच्चों में मोटापे की समस्या से निपटने के लिये कार्टून किरदारों द्वारा व्यवहार परिवर्तन को लेकर शुरू की गई पहल के लिये सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री निधि सिंह राजपूत ने ग्रहण किया। सागर स्मार्ट सिटी द्वारा बच्चों को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण देने के लिये वीडियो गेम और युवा पोषण एम्बेसेडर तैयार करने के लिये पुरस्कृत किया गया।

सागर स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राहुल सिंह राजपूत ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। हाइड्रोपोनिक्स को बढ़ावा देने के लिये उज्जैन स्मार्ट सिटी को पुरस्कृत किया गया, जिसका पुरस्कार उज्जैन स्मार्ट सिटी के कार्यकारी निदेशक श्री अंशुल गुप्ता द्वारा ग्रहण किया गया।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

मोटरयान कर में 103 करोड़ 50 लाख रुपये की छूट

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में एक अप्रैल, 2021 से 30 जून, 2021 तक की अवधि के लिए यात्री बसों पर देय 103 करोड़ 50 लाख रुपये के मासिक वाहन कर को पूर्णतः माफ किये जाने का निर्णय लिया गया। उक्त अवधि में कोविड-19 के दौरान प्रदेश में बसों का सुचारू संचालन बाधित रहा है। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं-

- मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना में अधिक से अधिक हितग्राहियों के पास गर्भावस्था के समय पोषण के लिए राशि उपलब्ध हो एवं गर्भावस्था की जांच निर्धारित समय में कराई जाये, इसके दृष्टिगत योजना में प्राप्त होने वाली किश्तों की समयावधि में परिवर्तन करने का निर्णय लिया।
- योजना में प्रथम किश्त जो 4 प्रसव पूर्व जांच कराने पर मिलती है, को परिवर्तित करते हुए महिला के गर्भधारण के प्रथम त्रैमास (गर्भावस्था के प्रथम 3 माह में) अथवा अपरिहार्य कारणों से गर्भावस्था के 4 माह तक पंजीयन कराते समय ही उपलब्ध कराई जायेगी। साथ ही द्वितीय किश्त जो शासकीय स्वास्थ्य संस्था में ही प्रसव कराये जाने के बाद देय होती है, को परिवर्तित करते हुए अब श्रमिक संवर्ग के उन पंजीकृत हितग्राहियों को भी प्रदान की जायेगी, जिनका प्रसव शासकीय चिकित्सालय के अतिरिक्त आयुष्मान भारत कार्यक्रम में प्रसव सेवाओं के लिये अधिकृत किए गए किसी अशासकीय चिकित्सालय में होता है।
- मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना श्रमिक संवर्ग के परिवार की महिलाओं को निर्धारित अवधि में प्रसव पूर्व सेवाएं प्राप्त करने, संस्थागत प्रसव हेतु प्रोत्साहित किए जाने, पोषण स्तर में सुधार तथा मजदूरी की क्षतिपूर्ति आदि के उद्देश्य से 1 अप्रैल 2018 से लागू की गई है। यह योजना राज्य शासन द्वारा वित्त पोषित है।
- मंत्रिपरिषद ने शासन द्वारा संधारित मंदिरों के पुजारियों/सेवादारों के मानदेय में वृद्धि किये जाने के संबंध में विभाग द्वारा 26 मई, 2022 को जारी आदेश का अनुसमर्थन किया। वे पुजारी जिनके मंदिरों की कोई कृषि भूमि नहीं है, उनका मानदेय 3 हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 5 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया।
- पांच एकड़ तक की कृषि भूमि वाले मंदिरों के पुजारियों का मानदेय 2100 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 2500 रुपये प्रतिमाह किया गया।
- पांच एकड़ से दस एकड़ तक कृषि भूमि वाले मंदिरों के पुजारियों का मानदेय 1560 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 2 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया।
- जिन मंदिरों के पास दस एकड़ से अधिक कृषि भूमि है, उन मंदिरों के पुजारियों को अलग से शासन से कोई मानदेय नहीं दिया जायेगा। पुजारी के मानदेय में वृद्धि दिनांक 01 मई, 2022 से प्रभावशील होगी।
- मंत्रिपरिषद ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)-2.0 के मध्यप्रदेश में संचालन के संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 20 मई, 2022 को जारी आदेश का अनुसमर्थन किया। मिशन (शहरी)-2.0 में मध्यप्रदेश के सभी निकायों को सम्मिलित किया गया है। इसमें नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु संवहनीय प्रयासों के साथ, स्वच्छता अधोसंरचनाओं का विकास किया जाएगा।
- मिशन का कार्यकाल 1 अक्टूबर, 2021 से 1 अक्टूबर, 2026 तक, आगामी 05 वर्षों के लिए होगा, जिसमें विभिन्न घटकों में 2200 करोड़ 20 लाख रुपये केंद्रांश, राज्यांश राशि अनुमानतः 1800 करोड़ 22 लाख रुपये और निकाय अंशदान अनुमानतः राशि 913 करोड़ 32 लाख रुपये होगी।
- इस प्रकार कुल राशि 4,913 करोड़ 74 लाख रुपये का व्यय अनुमानित है। इस राशि का प्रयोग प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में व्यक्तिगत, सार्वजनिक शौचालय एवं यूरीनल्स निर्माण, उपयोगिता जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सूचना, शिक्षा और संचार के साथ क्षमतावर्धन मद में किया जाएगा। मिशन के संचालन के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया गया है।
- मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक क्षेत्र टेक्सटाइल पार्क अचारपुरा, जिला भोपाल की भूमि विविध उद्योगों के लिए उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया है। भोपाल के आसपास विकसित भू-खण्ड की अधिक मांग को देखते हुए टेक्सटाइल पार्क अचारपुरा की स्थापना के लिये आरक्षित भूमि, बहुउत्पाद उद्योगों की स्थापना के लिए बहुउत्पाद औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया जायेगा।
- मंत्रिपरिषद ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा क्लस्टर एसोसिएशन से प्रस्तावित 20 टॉय विनिर्माण इकाइयों (मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सफेद श्रेणी में वर्गीकृत विनिर्माण इकाइयां) को प्रचलित भू-आवंटन नियम के भाग-1 औद्योगिक भूमि एवं भवन आवंटन नियम की कंडिका 12 में विकसित एवं विकसित किये जाने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भू-खण्डों का आवंटन इलेक्ट्रॉनिक नीलामी पद्धति से किये जाने संबंधी प्रावधान को शिथिल करते हुए सीधे भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया।
- भारतीय खिलौना बाजार की बढ़ती मांग तथा देश में खिलौना विनिर्माण एवं बाजार का परिदृश्य एवं संभावनाओं के दृष्टिगत निर्णय लिया गया।
- क्लस्टर अंतर्गत स्थापित की जाने वाली इकाइयों हेतु तल क्षेत्र अनुपात (FAR) 2 (दो) प्रदान किया जायेगा। स्थापित होने वाली इकाइयों को मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति, 2021 के अनुक्रम में फर्नीचर, टॉय एवं उनसे संबंधित मूल्य श्रृंखला के उत्पादों की विनिर्माण इकाइयों के लिये विशिष्ट वित्तीय सहायता अंतर्गत रोज़गार सृजन अनुदान का लाभ शर्तों के अध्याधीन दिया जायेगा।
- औद्योगिक क्षेत्र राऊ रंगवासा, जिला इन्दौर में विकसित बुनियादी अधोसंरचना यथा विद्युत/जल आपूर्ति एवं सड़क आदि का व्यय विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। परियोजना में सामान्य सुविधा केंद्र की स्थापना भारत सरकार की एमएसई-सीडीपी योजना अथवा अन्यथा प्रस्तावित किये जाने के लिए प्रशासकीय विभाग को अधिकृत किया गया है।
- मंत्रिपरिषद ने एमएसएमई के औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम, 2021 में क्लस्टर विकास के लिये इच्छुक विकासकों से आवेदन प्राप्त करने की निर्धारित प्रक्रिया को शिथिल करते हुए एसपीव्ही को टेक्सटाइल क्लस्टर विकसित करने के लिये सुखपुरी, जिला बुरहानपुर में स्थित एमएसएमई विभाग के आधिपत्य की 63.06 हेक्टेयर अविकसित शासकीय भूमि पर विकास की अनुमति देने का निर्णय लिया। साथ ही क्लस्टर अंतर्गत स्थापित औद्योगिक व्यावसायिक इकाइयों से विकास शुल्क तथा संधारण शुल्क लिये जाने के अधिकार तथा प्रस्तावित क्लस्टर को तीन चरणों में विकसित करने की अनुमति प्रदान की है।
- मंत्रिपरिषद ने राज्य शासन के आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश 2023 दृष्टि-पत्र में प्रदेश में 10 नवीन विनिर्माण क्लस्टर की स्थापना संबंधी संकल्प तथा प्रस्तावित क्लस्टर से बड़ी संख्या में रोज़गार सृजन एवं वृहद निवेश के दृष्टिगत यह निर्णय लिया है।
- एसपीव्ही को क्लस्टर विकास के लिए यथानुपात (Pro-rata) आधार पर कुल विकास लागत की 60 प्रतिशत की दर से अधिकतम रुपये 20 करोड़ सहायता/अनुदान, क्लस्टर में स्थापित होने वाली इकाइयों को शर्तों के अधीन बैंक/वित्तीय संस्थाओं से लिए जाने वाले मियादी ऋण (Term loan) पर 2 प्रतिशत की दर से 5 वर्षों के लिये अधिकतम 5 करोड़ रुपये ब्याज अनुदान दिया जायेगा। साथ ही क्लस्टर स्थल पर 33/11 के.व्ही.ए. पावर सब स्टेशन ऊर्जा विभाग द्वारा स्थापित किया जायेगा।
- परियोजना में सामान्य सुविधा केंद्र की स्थापना भारत सरकार की एमएसई-सीडीपी योजना अथवा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा की जायेगी। एसपीव्ही की सहमति एवं अनुशंसा से निवेशकों के लिये आरक्षित भू-खण्डों का आवंटन, मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 के प्रावधान अनुसार किया जायेगा।
- मंत्रिपरिषद ने अतिरिक्त महाधिवक्ता के तीन नवीन पद और उप महाधिवक्ता का एक नवीन पद सृजित किये जाने का निर्णय लिया। उच्च न्यायालय के समक्ष अधिकाधिक प्रकरणों में राज्य शासन पक्षकार होता है, जिससे अनेक चुनाव याचिकाएं, जनहित याचिकाएं, नियम अधिनियम एवं शासकीय योजनाओं आदि जिनमें राज्य शासन का उचित एवं श्रेष्ठ पक्ष समर्थन करने हेतु महाधिवक्ता एवं वरिष्ठ विधि अधिकारियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध रखने के लिये यह निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद ने इन्दौर-पीथमपुर इन्वेस्टमेंट रीजन में अधिसूचित क्षेत्र में द्वितीय चरण में किसानों से आपसी सहमति के आधार पर वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में 500 हेक्टेयर निजी भूमि सेक्टर 4, 5 एवं 6 में औद्योगिक विकास के लिए लैंड पूलिंग के माध्यम से अधिग्रहित किये जाने की अनुमति दी।
- मंत्रिपरिषद ने जिला न्यायाधीश (वरिष्ठ वेतनमान) के संवर्ग को संवर्ग अनुक्रम में सम्मिलित करने संबंधी खण्ड में संशोधन को मंजूरी दी। शेट्टी वेतन आयोग ने देश में उच्चतर न्यायिक सेवा और निम्नतर न्यायिक सेवा के सदस्यों के एक समान पदाभिधान अंगीकृत किए जाने के आशय के साथ अनुशंसाएं की थीं, जो ऑल इंडिया जजेस एसोसिएशन विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया तथा अन्य (निर्णय दिनांक 8 फरवरी, 2001) के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुमोदित की गई हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विद्यार्थियों को ई-कंटेंट उपलब्ध कराना साबित होगा उपयोगी

भोपाल, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री दीपक सिंह ने ई-कंटेंट निर्माण के लिये तृतीय चरण के ऑनलाइन प्रशिक्षण को संबोधित करते हुये कहा कि प्रदेश के प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से ई-कंटेंट उपलब्ध कराने के लिये उच्च शिक्षा विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि छात्र ऑनलाइन अलग और अतिरिक्त कोर्स का अध्ययन भी कर सकते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ई-कंटेंट उपलब्ध कराये जा सकें, इसके लिये एक ओर जहां प्राध्यापकों को ई-कंटेंट निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में डिजिटल स्टूडियो एवं स्मार्ट क्लास की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 1300 प्राध्यापकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को मोबाइल एवं लैपटॉप पर ही गुणवत्तापूर्ण ई-कंटेंट प्राप्त हो सके।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. रेणु जैन ने कहा कि डिजिटल एजुकेशन वर्तमान समय की मांग है। सभी शिक्षण संस्थान तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग परिवर्तन के लिये बड़े स्तर पर प्रयास कर रहा है।

ई-कंटेंट निर्माण प्रशिक्षण के तृतीय चरण में विभिन्न विषयों के 300 से अधिक प्राध्यापक सहभागिता कर रहे हैं। पूर्व के दो चरण में लगभग 700 से अधिक प्राध्यापक को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण में एफ.डी.पी. में ई-कंटेंट निर्माण से संबंधित ई-टेस्ट लेखन, आकर्षक पी.पी.टी. निर्माण, मूल्यांकन की क्विज आदि विधियों तथा वीडियो रिकॉर्डिंग आदि विषयों पर प्रदेश तथा देश के प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यान होंगे।

मतदाता जागरूकता अभियान की बनायें सुनियोजित कार्ययोजना

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन-2022 के लिए मतदाता जागरूकता अभियान की सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित कराई गयी गतिविधियों की जानकारी आयोग को भेजें। विस्तृत कार्ययोजना आयोग द्वारा सभी जिलों को भेजी गयी है। इसी के आधार पर जिला स्तर की कार्ययोजना बनायें।

प्रचार-प्रसार के लिए लक्ष्य

श्री सिंह ने कहा है कि प्रचार-प्रसार के माध्यम से मतदान का प्रतिशत बढ़ाना, मतदान का महत्व समझाना तथा मतदाताओं को मताधिकार के लिए प्रेरित करना है। अभियान में मतदाताओं को मतदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देना, महिला एवं युवा मतदाताओं को मतदान के लिये प्रोत्साहित करना, जिन मतदान केंद्रों पर विगत निर्वाचन में मतदान का प्रतिशत कम रहा है, उन मतदान केंद्रों पर मतदान का प्रतिशत बढ़ाये जाने के प्रयास करना, मतदाता सहायता केंद्रों की वार्ड अथवा मतदान केंद्र स्तर पर स्थापना करना, संवदेनशील मतदान केंद्रों में प्रशासन द्वारा की जा रही सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी देना, मतदाताओं को मतदान के मूल्य तथा लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका के प्रति जागरूक करना, गर्भवती महिला, वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा सुगमता से मतदान किये जाने की प्रक्रिया से अवगत कराना और आयोग द्वारा किये गये नवाचारों एवं नियम निर्देशों में हुए संशोधनों से मतदाताओं एवं अभ्यर्थियों को अवगत कराना है।

पूर्व से संचालित विकास कार्यों के क्रियान्वयन पर ध्यान दें कलेक्टर्स

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के कलेक्टरों और अन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुये।

भोपाल, पूर्व से संचालित विकास कार्यों और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं के यथासमय क्रियान्वयन पर प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर ध्यान दें। पंचायत एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन के लिए आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के बावजूद प्रगतिरत कार्य यथावत जारी रहते हैं। लोकहितकारी योजनाओं के संचालन को संहिता के प्रावधानों का पालन करते हुए जारी रखना है। नई घोषणा या नई प्रशासकीय स्वीकृति न दी जाए, लेकिन पहले से चल रहे कार्यों को न रोका जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स और अन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पूर्व से स्वीकृत कार्यों और योजनाओं के अमल को रोका जाना उचित नहीं है। संहिता के अनुसार नई स्वीकृतियां नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों में लोकहित के कार्य जारी रहें और हम आदर्श आचार संहिता का पालन भी करें, यह आवश्यक है। निर्वाचन की घोषणा होने तक जो कार्य प्रारंभ नहीं हुए हों, उन्हें भी प्रारंभ नहीं किया जाना चाहिए। इसी तरह जनोपयोगी सुविधा का शिलान्यास या उद्घाटन नहीं किया जाना चाहिए। कन्या विवाह योजना में भी मुख्य अतिथि के बिना कलेक्टर्स स्वयं इसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर सकते हैं।

पेयजल प्रबंध और जलाभिषेक अभियान

श्री चौहान ने कहा कि अभी मानसून प्रारंभ नहीं हुआ है। गर्मी के कारण ग्रामीण और नगरीय निकाय क्षेत्रों में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था के लिए उपलब्ध स्रोतों या परिवहन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत चालू किए गए कनेक्शन में निरंतर जल आपूर्ति होती रहे। हैण्डपम्प सुधार कार्य और संधारण के लिए भी प्रयास हों। जलाभिषेक अभियान में प्रारंभ किए गए और जून 2022 तक लक्षित अन्य कार्यों को मानसून के पहले पूर्ण कर लिया जाये। आगामी 22 जून को प्रधानमंत्री प्रगति की समीक्षा के अंतर्गत अमृत सरोवर की समीक्षा करेंगे। प्रदेश में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जिन अमृत सरोवरों के निर्माण के कार्य चल रहे हैं, उन्हें जारी रखा जाए। यह सरोवर देशभक्ति के प्रेरक स्थल और तीर्थ स्थल बन जाएं, इस दृष्टि से कार्यों को जारी रखना आवश्यक है। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर इन सरोवरों के पास राष्ट्रध्वज भी फहराया जाएगा। इसी तरह पुष्कर धरोहर समृद्धि अभियान के कार्य पूरे कर विधिवत दस्तावेजीकरण भी किया जाए। इस अभियान में सुधारी गई जल-संरचनाओं का लाभ सिंचाई, मत्स्य-पालन, सिंघाड़ा उत्पादन के लिए लिया जा सके, इसके लिए पूर्व से संचालित गतिविधियों को जारी रखा जाए।

स्वच्छता सर्वेक्षण और स्वच्छता अभियान

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के जमीनी परीक्षण का कार्य पूर्ण हो चुका है। नगरीय निकायों ने स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मध्यप्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। हम सभी ने मिल कर स्वच्छता के नए प्रतिमान स्थापित करने का प्रयास किया है। यह कार्य रुकना नहीं चाहिए। कचरे का संग्रहण, प्रबंधन, कचरे को री-साइकिल करने, उसके प्र-संस्करण के कार्य होते रहेंगे।

पर्यावरण दिवस पर पेंटिंग वर्कशॉप

कलाकारों ने उकेरी 'यही एक पृथ्वी'

भोपाल, मानव और प्रकृति का जितना बेहतर सामंजस्य होगा, हमारी पृथ्वी उतनी ही सुरक्षित रहेगी। पृथ्वी में अन्य जीवों के बनिस्पत मानव का अस्तित्व बहुत कम है लेकिन पृथ्वी को नुकसान का खतरा मानव से ही सबसे ज्यादा है। यह बात भोपाल में आयोजित आर्टिस्ट की वर्कशॉप में वरिष्ठ कलाकार श्री देवीलाल पाटीदार ने कही। उन्होंने कहा कि हाथी, शेर, चिड़ियां, कीड़े-मकौड़ों आदि से पर्यावरण को कोई खतरा नहीं है, क्योंकि प्रकृति को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इस वर्कशॉप का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) द्वारा भोपाल में किया गया। इस बार की थीम 'यही एक पृथ्वी' है।

एप्को के वरिष्ठ वैज्ञानिक और पर्यावरण विशेषज्ञ श्री लोकेंद्र ठक्कर ने कहा कि ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपना पास-पड़ोस महफूज रखें। उन्होंने कलाकारों को आगाह किया कि आपकी पर्यावरण चेतना को आत्मसात करना और उसका चित्रण अनेक लोगों को प्रभावित करेगा। श्री ठक्कर ने बताया की पचास बरस पहले 1972 में पर्यावरण पर पहली मर्तबा स्टॉकहोम में मंथन हुआ जिसमें विश्व के सिर्फ दो देशों स्वीडन और भारत के प्रधानमंत्रियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को नुकसान पहुंचाकर उसकी भरपाई करना मुश्किल है और ये सही समय है कि चिन्तन-मनन-सृजन कर पर्यावरण चेतना को मुखरित किया जाये।

वर्कशॉप क्यूरेटर श्री सुनील शुक्ल ने कहा कि सभी स्कूलों, चित्रकला

एप्को द्वारा भोपाल में आयोजित एक वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिताओं में सर्व प्रचलित छवियां एक पृष्ठोक्ति की तरह दोहराई जाती हैं। ये सारी छवियां जैसे हाथों से बूंद का सहेजना, हाथों में पृथ्वी को समेटे दर्शाना आदि गूगल पर उपलब्ध हैं। दुर्भाग्य है कि ऐसी ही छवियां पुरस्कृत होती हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि इस वर्कशॉप में कलाकार कुछ नई छवियां रचेंगे जिनका व्यापक असर होगा।

एप्को के मुख्य यंत्री श्री अनूप श्रीवास्तव ने कार्यशाला का अवलोकन किया और कलाकारों से बात की। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यशाला में बनाए गए चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा और उनका उपयोग विभिन्न प्रकाशनों में किया जाएगा। कार्यपालन यंत्री मनोहर पाटिल ने कहा कि कलाकारों की रचना से कई लोग जागरूक हो सकेंगे।

कार्यशाला में शहर के प्रोफेशनल आर्टिस्ट, आर्ट टीचर और आर्ट-डिजाइन स्टूडेंट्स नसहित 24 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। सभी पार्टिसिपेंट्स को प्रमाण पत्र दिए गए।

प्रमुख कलाकारों के नाम हैं - शोभा घारे, सुषमा श्रीवास्तव, विनय सप्रे, हिमांशु जोशी, डायना तोमर, सुचिता राउत, शंकर तायड़े, भार्गव कुलकर्णी, छाया दुबे, स्वाति जैन, विजय गहरवार, साबिर, शुभांगी गायकवाड़, नेहा सैय्यद , प्रतीक्षा भावसार, झरना भुवनेश, मयूरी नेमा, जयंत शर्मा, प्रीती दस, अंजना पेठिया और गौरांगी शर्मा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर,
छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं अशोकनगर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

रैपर बालेंद्र शाह

काठमांडू के नये मेयर बने

नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर पद पर रैपर

बालेंद्र शाह निर्वाचित हुये हैं। इंजीनियरिंग डिग्री धारक बालेंद्र स्थानीय निकाय चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतरे थे। चुनाव आयोग के अनुसार बालेन नाम से पहचाने जाने वाले बालेंद्र शाह को 61,767 वोट मिले। बालेंद्र के निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेपाली कांग्रेस के सृजन सिंह को 38,341 मत मिले। बालेंद्र ने ढाई साल पहले प्रत्याशी बनने की घोषणा की थी।

मिस्र

कब्र से निकली विरासत

मिस्र के कैरियो शहर के दक्षिण में 19 किलोमीटर दूर

स्थित कब्रगाहों में मिस्र के समृद्ध इतिहास को खंगालने के दौरान 747 से 332 ईसा पूर्व के बीच 2500 साल पुराने लकड़ी के 250 ताबूत और कांसे की 150 मूर्तियां मिली हैं। इस दौरान कैरियो के बुबास्तियां कब्रगाह से कांसे की सबसे बड़ी मूर्ति खोजी गई है।

डोर बहादुर खपांगी

सबसे कम कद के जीवित टीनएजर

नेपाल के डोर बहादुर खपांगी आधिकारिक तौर पर

सबसे कम कद के जीवित टीनएजर (पुरुष) बने हैं। 14 नवंबर, 2004 को जन्मे खपांगी 17 साल के हैं। 23 मार्च 2022 को काठमांडू (नेपाल) में उनकी लंबाई मापी गई थी। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने बताया कि खपांगी का कद 73.43 सेंटीमीटर (2 फीट 4.9 इंच) है।

अमेरिका में

इंजीनियरों ने सबसे छोटा रिमोट नियंत्रित रोबोट बनाया

अमेरिका के नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में इंजीनियरों की

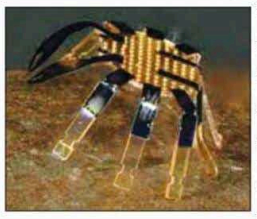

एक टीम ने दुनिया का सबसे छोटा रिमोट नियंत्रित रोबोट विकसित किया है। केकड़े की तरह दिखने वाला यह रिमोट आधा मिलीमीटर यानी चींटी के आकार जितना है। साइंस रोबोटिक्स जर्नल में प्रकाशित शोध में इंजीनियर जॉन ए रोजर्स ने बताया कि इस रोबोट को बनाने में इंजीनियरों की टीम को डेढ़ साल का समय लगा। यह रोबोट चलने, मुड़ने, घूमने और कूदने में सक्षम है। इसका इस्तेमाल सर्जिकल उद्देश्यों या छोटी मशीनों की मरम्मत के लिये किया जा सकता है।

डॉक्टर टेड्रोस घेब्रेयसस

दूसरी बार डब्ल्यू.एच.ओ. के चीफ बने

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक डॉक्टर

टेड्रोस घेब्रेयसस को पांच साल के दूसरे कार्यकाल के लिये चुन लिया गया है। इस पद के लिये डॉक्टर टेड्रोस को किसी ने चुनौती नहीं दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान के मुताबिक, महानिदेशक पद के लिये सभी सदस्य देश नाम प्रस्तावित करते हैं। इसके लिये एक समय सीमा तय की जाती है। इस बार चुनाव प्रक्रिया अप्रैल-2021 में शुरू हुई थी।

सुपर टमाटर

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने किया तैयार

विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की रोशनी के

साथ-साथ मछली और दूध से बनी चीजों को माना जाता है, लेकिन इंग्लैंड के जॉन इनेस सेंटर के वैज्ञानिकों ने जीन एडिटिंग टेक्नोलॉजी की मदद से टमाटर के जीनोम स्ट्रक्चर में ऐसे बदलाव किये जिनसे अंडे जितना विटामिन डी मिलेगा। क्रिस्पर टूल की मदद से टमाटर के जीनोम स्ट्रक्चर में ऐसे बदलाव किये गये जिनसे टमाटर और उसके पत्तों में 7-डीएचसी कम्पोनेंट इकट्ठा होने लगे। यह रिसर्च नेचर प्लांट्स जनरल में प्रकाशित हुई है।

खारकीव में

विवट पब्लिकेशन ने युद्ध के बीच किया प्रकाशन

रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते हो रहे बम धमाकों के बीच

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव का विवट पब्लिकेशन हाउस ऐसा प्रकाशक है जो रूसी हमले से डरा नहीं। वह लगातार किताबें प्रकाशित कर रहा है। रूस की सीमा से लगे इस शहर में पहली बार 24 फरवरी को बमबारी हुई थी। 20 मई तक पब्लिकेशन ने 60 से अधिक किताबें पब्लिश कीं। विवट प्रेस अधिकारी गैलिना पोडिल्को ने कहा कि यूक्रेन के लोगों में प्रेस से प्रकाशित किताबें की मांग अचानक बढ़ गई है।

क्रिस्टीन हरिला

नॉर्वे की पर्वतारोही ने 6 पर्वतों पर चढ़कर बनाया रिकॉर्ड

नॉर्वे की 36 वर्षीय पर्वतारोही क्रिस्टीन हरिला ने माउंट

मकालू पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने के बाद सबसे कम समय (29 दिन) में 8000 मीटर की ऊंचाई वाली छः पर्वत चोटियों पर चढ़ने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। मई 2021 में क्रिस्टिन ने 12 घंटे में माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होत्से पर चढ़ने वाली सबसे तेज पर्वतारोही महिला होने का विश्व रिकॉर्ड बनाया।

गीतांजलि श्री

उपन्यास 'रेत समाधि' के लिये मिला बुकर पुरस्कार

भारतीय लेखिका गीतांजलि श्री के हिंदी उपन्यास रेत

समाधि को अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से नवाजा गया है। उपन्यास का अंग्रेजी में अनुवाद 'टॉम्ब ऑफ सैंड' नाम से किया गया है। यह उपन्यास इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित भारतीय भाषा का पहला उपन्यास है। गीतांजलि ने 'रेत समाधि' की कहानी 80 साल की एक महिला के बहाने बुनी है। भारत-पाकिस्तान विभाजन की पीड़ा इस उपन्यास में गहराई से दर्शायी गई है।

एलेक्जेंडर वांग

विश्व के सबसे युवा अरबपति बने

बचपन से डिज्नी वर्ल्ड टिकट के लिये कोडिंग

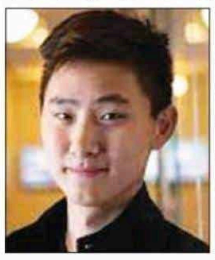

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले एलेक्जेंडर वांग दुनिया के सबसे युवा अरबपति बन गये हैं। उनका नाम फोर्ब्स की सूची में शामिल किया गया है। उन्हें डिज्नी की प्रतियोगिता में कभी भी मुफ्त का टिकट नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने कोडिंग का अभ्यास किया वे सुर्खियों में आते चले गये। अब वे एक कोडर हैं। उन्होंने 17 साल की उम्र में कोरा की साइट के लिए फुल टाइम कोडिंग प्रोजेक्ट प्राप्त किया था।

आयरलैंड में

ट्रिनिटी कॉलेज की लाइब्रेरी का होगा जीर्णोद्धार

डबलिन के ट्रिनिटी कॉलेज की 1732 में बनी लकड़ी की

लाइब्रेरी में सबसे प्राचीन और मूल्यवान पुस्तकें संग्रहित हैं। हर साल लगभग 10 लाख लोग इसे देखने आते हैं। 9.5 करोड़ डॉलर (करीब 737 करोड़ रुपये) से इसका जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अक्टूबर 2023 से तीन साल के लिये यह लाइब्रेरी विजिटर्स के लिये बंद कर दी जायेगी। यह 289 साल पुरानी है और पूरी लाइब्रेरी लकड़ी से तैयार की गई है।

न्यूयॉर्क में

जारी किया गया पहला जेंडर न्यूट्रल ड्राइविंग लाइसेंस

अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य ने जेंडर न्यूट्रल ड्राइविंग

लाइसेंस जारी करने की शुरुआत कर दी है। यहां पहला जेंडर न्यूट्रल फोटो पहचान पत्र जारी कर दिया गया है। नये कानून के तहत न्यूयॉर्क के लोगों को नाम, पता, जन्म स्थान एवं जन्मदिन बदलने के लिये अखबारों में इश्तिहार देना जरूरी नहीं होगा। अब नागरिकों को हिंसा, जोखिम या भेदभाव से बचाव के लिये अपना जेंडर बताने वाले कागजात को सील करवाने का भी अधिकार होगा।

बंधन एक्सप्रेस

भारत-बांग्लादेश के बीच फिर से रेल सेवा बहाल

दो साल बाद भारत और बांग्लादेश के बीच यात्री ट्रेन

सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। पहली ट्रेन बंधन एक्सप्रेस है यह पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से पूर्वी बांग्लादेश के खुलना के लिये रवाना हुई। इसके अलावा बांग्लादेश की राजधानी ढाका के लिये चलने वाली मैत्री एक्सप्रेस भी शुरू हो गई है। कोविड महामारी के चलते यह ट्रेन सेवाएं पिछले दो साल से बंद पड़ी थीं। सीमा के दोनों तरफ के लोग ट्रेन सेवाओं के फिर से शुरू होने से उत्साहित हैं।

भारतीय डाक विभाग ने

गुजरात में पहली बार ड्रोन की सहायता से पहुंचाई डाक

भारतीय डाक विभाग ने पहली बार पायलट प्रोजेक्ट

परियोजना के तहत गुजरात के कच्छ जिले में ड्रोन की मदद से डाक पहुंचाई। ड्रोन ने 25 मिनट में 46 किलोमीटर की दूरी तय की है। डाक को कच्छ जिले के भुज तालुका के हबे गांव से भचाउ तालुका के नेर गांव पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार पार्सल में चिकित्सा संबंधी सामग्री थी। पायलट परियोजना के तहत विशेष तौर पर ड्रोन के एक स्थान से दूसरे स्थान तक डाक पहुंचाने में आने वाली लागत का अध्ययन किया गया।

ओवासो लाइब्रेरी में

ड्यू डेट के 46 साल बाद लौटी किताब

अमेरिका के ओक्लाहोमा में ओवासो लाइब्रेरी में लेखक

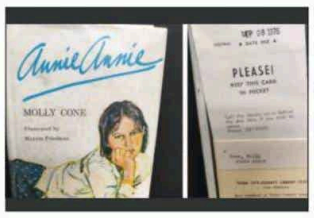

मौली कोन के उपन्यास 'एनी एनी' को 46 साल बाद लौटाया गया है। लाइब्रेरी ने पुस्तक का एक स्क्रीन शॉट साझा करते हुये यह जानकारी दी है। किताब को 8 सितंबर 1976 को लाइब्रेरी में वापस किया जाना था। किताब को बहुत कम क्षति पहुंची है। लाइब्रेरी ने किताब लौटाने वाले का आभार जताते हुये यह भी कहा कि देरी से लौटाने पर जुर्माना भी नहीं वसूला गया है।

वियतनाम

समुद्र में देख सकेंगे 328 फीट की गहराई का नजारा

वियतनाम के होन ट्रे आइलैंड के लग्जरी रिसोर्ट विन

पर्ल कॉम्प्लेक्स ने सैलानियों के लिये पनडुब्बी की सैर शुरू की है। 24 सीटर एयर कंडीशन सबमरीन साउथ चाइना सी में 328 फीट की गहराई तक जाकर समुद्री नजारे दिखाती है। इसका 30 मिनट की सैर का किराया बड़ों के लिये लगभग 4600 रुपये और बच्चों के लिये 3100 रुपये है। हॉली डे मेकर्स सैलानियों को लुभाने के लिये नये-नये तरीके आजमा रहे हैं, यह उन्हीं में से एक है।

शौनक सेन

'ऑल दैट ब्रीद' ने जीता गोल्डन आई अवॉर्ड

75वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत के शौनक सेन की

डॉक्यूमेंट्री 'ऑल दैट ब्रीद' को कान्स में गोल्डन आई अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा उन्हें सनडांस फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड ज्यूरी जैसे कई दूसरे पुरस्कार भी मिले हैं।

स्मृति शेष

मलयालम सिंगर एडवा बशीर का लाइव कॉन्सर्ट में निधन

मलयालम के प्रसिद्ध गायक 67 वर्षीय एडवा

बशीर का निधन हो गया। वे केरल के अलाप्पुझा में आयोजित स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में लाइव सिंगिंग के दौरान स्टेज पर बेहोश हो गये थे। जब तक उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तब तक उन्होंने तम तोड़ दिया।

बॉलीवुड फिल्मों के लोकप्रिय गायक के.के. का निधन

बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के कई मशहूर

गीत गाने वाले सिंगर के.के. (कृष्ण कुमार कुन्नत) का 53 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लाइव शो परफॉर्म करने कोलकाता गये थे। उन्होंने हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी और गुजराती गाने गाये थे। 2004 में उन्हें 'तू आशिकी है.....' गाने के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

नहीं रहे मशहूर संतूर वादक पंडित भजन सोपोरी

मशहूर संतूर वादक पद्मश्री पंडित भजन

सोपोरी का गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार वालों ने यह जानकारी दी। वे 74 साल के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। उनका जन्म 1948 में श्रीनगर में हुआ था। भजन सोपोरी को क्लासिकल म्यूजिक में योगदान देने के लिये 1992 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कपड़ा उद्योग (टेक्सटाइल) के क्षेत्र में बढ़ते कदम

भारत ने वस्त्र निर्यात में बनाया रिकॉर्ड

कपड़ा या वस्त्र क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे पुराने उद्योगों में से एक है और पारंपरिक कौशल, विरासत तथा संस्कृति का भंडार एवं वाहक है। भारत विश्व में कपास और जूट का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा रेशम उत्पादक देश भी है, विश्व में हाथ से बुने हुए कपड़ों के मामले में इसकी 95% हिस्सेदारी है। भारतीय कपड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए विश्व में प्रतिस्पर्धी बनकर उभरा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत का वस्त्र निर्यात अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया है। इस दौरान भारत ने 44 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का वस्त्र निर्यात किया है। दरअसल, भारत ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में हस्तशिल्प सहित कपड़ा और परिधान (टीएंडए) में 44.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया है। आंकड़ों की बात करें तो यह अब तक का सबसे अधिक निर्यात है। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 में संबंधित आंकड़ों की तुलना में क्रमशः 41 फीसदी और 26 फीसदी की पर्याप्त बढ़ोतरी का संकेत मिलता है। अमेरिका में 27 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक निर्यात किया गया। इसके बाद यूरोपीय संघ में 18 फीसदी, बांग्लादेश में 12 फीसदी और संयुक्त अरब अमीरात में 6 फीसदी का निर्यात किया गया है।

किन श्रेणियों में हुआ निर्यात

उत्पाद श्रेणियों के संदर्भ में बात करें तो 2021-22 के दौरान क्रमशः 39 फीसदी हिस्सेदारी के साथ कपास वस्त्रों का निर्यात 17.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में 54 फीसदी और 67 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान रेडीमेड गारमेंट्स का निर्यात 36 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 16 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में क्रमशः 31 फीसदी और 3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

मानव निर्मित वस्त्र निर्यात 14 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 6.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में 2021-22 के दौरान क्रमशः 51 फीसदी और 18 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात 5 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 2.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में क्रमशः 22 फीसदी और 16 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पीएम मित्र पार्कों से ऊंचाई पर पहुंचेगा कपड़ा उद्योग

देश में कपड़ा उद्योग को और ज्यादा विस्तार देने के साथ ही रोज़गारपरक बनाने के लिए भी कई स्तर पर कार्य हो रहा है। कपड़ा मंत्रालय 7 पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (PM Mega Integrated Textile Region and Apparel- PM MITRA) यानी पीएम मित्र पार्कों की स्थापना करने जा रहा है। पीएम पार्क योजना के तहत देश में 4,445 करोड़ रुपये की कुल लागत वाले सात मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। इसके तहत नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर 29 में नोएडा में टेक्सटाइल पार्क की

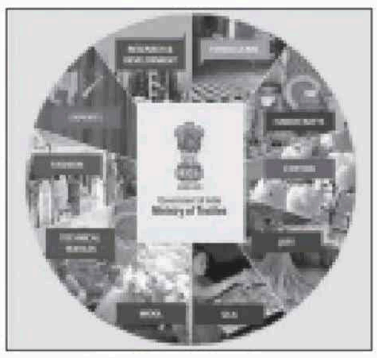

स्थापना के लिए 150 एकड़ भूमि आवंटित कर दी है। सरकार के इस फैसले से अब उत्तरप्रदेश का पहला टेक्सटाइल पार्क नोएडा में बनने का रास्ता साफ हो गया है। हाल ही (मई 2022) में पीएम मित्र पार्क योजना पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था जहां आंध्रप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तरप्रदेश के अधिकारियों ने अपने-अपने राज्यों में पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के 18 प्रस्तावों की रूपरेखा पेश की है।

हर पार्क से प्राप्त होंगे 3 लाख रोज़गार

पीएम मित्र पार्क को सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) मोड में स्पेशल पर्पज व्हीकल के जरिये विकसित किया जाएगा, जिसका स्वामित्व केंद्र और राज्य सरकार के पास होगा। प्रत्येक पार्क में एक इन्क्यूबेशन सेंटर, कॉमन प्रोसेसिंग हाउस और एक कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट तथा अन्य टेक्सटाइल संबंधी सुविधाएं जैसे- डिजाइन सेंटर एवं टेस्टिंग सेंटर होंगे। पीएम मित्र पार्क एक ही स्थल पर कताई, बुनाई, प्रसंस्करण एवं रंगाई और छपाई से लेकर परिधान निर्माण तक एक एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला बनाने का अवसर प्रदान करेगा। एक स्थल पर एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला से उद्योग की लागत में कमी आएगी। प्रति पार्क से 1 लाख प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

टेक्सटाइल क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई स्कीम

कपड़ा उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए हाल ही में पीएलआई योजना के जरिए टेक्निकल टेक्सटाइल के क्षेत्र में भारत कदम बढ़ा रहा है। साथ ही मैन मेड फाइबर बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। दरअसल हाल के वर्षों में बांग्लादेश, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देश प्रमुख कपड़ा उत्पादकों के रूप में उभरे हैं। ऐसे में अब भारत को भी इस ओर आगे बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से कई प्रयास किए जा रहे हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन की दिशा में अहम कदम आगे बढ़ाते हुए सरकार ने 'पीएलआई योजना' (10,683 करोड़ रुपये) की शुरुआत की है। इससे मैन मेड फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल को बढ़ावा मिलेगा।

छोटे शहरों में खुलेंगे वस्त्र उद्योग

पीएलआई योजना के तहत टियर 3, टियर 4 शहरों या कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश को प्राथमिकता दी गई है। इसके मद्देनजर इस उद्योग को पिछड़े क्षेत्र में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस योजना से विशेषकर गुजरात, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा आदि राज्यों पर सकारात्मक असर होगा। इसके अलावा वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के तहत भी कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।

कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोज़गार देने वाला क्षेत्र

वस्त्र उद्योग का भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान है। देश की करीब 2.3 प्रतिशत जीडीपी वस्त्र उद्योग से आती है। माना जाता है कि कृषि के बाद सबसे ज्यादा लोग इसी उद्योग के रोज़गार से जुड़े हैं। करीब साढ़े चार करोड़ लोग प्रत्यक्ष रोज़गार और लगभग 6 करोड़ लोग अप्रत्यक्ष रूप से वस्त्र उद्योग के रोज़गार से जुड़े हुए हैं।

कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान

कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। ऐसा कहा जा सकता है कि वस्त्र उद्योग में सबसे ज्यादा महिलाएं ही जुड़ी हुई हैं। पीएलआई योजना के तहत टीयर-2, 3 और 4 में ही उद्योग लगाने की बात की गई है। ऐसे में महिलाएं घर के पास ही अपना खुद का काम करते हुए, वस्त्र उद्योग में भी अपना योगदान दे सकती हैं।

कपड़ा उद्योग के लिए 5F का विजन

टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5F का विजन दिया था। इन पांच F (एफ) का अर्थ है- Farm to fibre (फार्म टू फाइबर), fibre to factory (फाइबर टू फैक्टरी), factory to fashion (फैक्टरी टू फैशन) और fashion to foreign (फैशन टू फॉरेन)। यह एकीकृत विजन अर्थव्यवस्था में टेक्सटाइल क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. अनिल कुंबले के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं?
(अ) हरभजन सिंह
(ब) जहीर खान
(स) रविचंद्रन अश्विन
(द) बिशन सिंह बेदी

2. मुक्केबाज हसनबॉय दुस्तामोव किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) मंगोलिया (ब) उज्बेकिस्तान
(स) किर्गिस्तान (द) रूस

3. चार्ल्स लेकलर्क फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप में किस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं?
(अ) मर्सडीज
(ब) रेडबुल
(स) फरारी
(द) इनमें से कोई नहीं

4. इनमें से कौन-सा देश फीफा वर्ल्डकप-2018 में उपविजेता रहा था?
(अ) नीदरलैंड (ब) जर्मनी
(स) अर्जेंटीना (द) क्रोएशिया

5. वन-डे क्रिकेट में सबसे सफल रन चेज का रिकॉर्ड किस देश के नाम है?
(अ) द. अफ्रीका (ब) भारत
(स) न्यूजीलैंड (द) वेस्टइंडीज

6. भारत ने कितनी बार पुरुष हॉकी एशिया कप टूर्नामेंट जीता है?
(अ) दो बार
(ब) तीन बार
(स) चार बार
(द) इनमें से कोई नहीं

7. इनमें से किस टेनिस खिलाड़ी ने अब तक एक भी ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं जीता है?
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) एंडी मरे
(स) स्टैन वावरिंका
(द) डेनिल मेदवेदेव

8. किस देश ने सबसे ज्यादा बार फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप जीता है?
(अ) इंग्लैंड (ब) ब्राजील
(स) मैक्सिको (द) नाइजीरिया

9. वर्ष 2022 में स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन हैं?
(अ) विक्टर एक्सेलसन
(ब) केंटो मोमोटा
(स) जोनाथन क्रिस्टी
(द) इनमें से कोई नहीं

10. मणिका बत्रा किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) टेनिस (ब) निशानेबाजी
(स) तैराकी (द) टेबल टेनिस

11. वर्ष 2021 में किस देश ने आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप जीता था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) इंग्लैंड
(स) पाकिस्तान (द) न्यूजीलैंड

12. कार्लोस अलकराज किस देश के युवा टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) जर्मनी
(ब) स्विट्जरलैंड
(स) चेक रिपब्लिक
(द) स्पेन

13. हाल ही में किस भारतीय खिलाड़ी को डोपिंग के कारण निलंबित किया गया है?
(अ) साक्षी मलिक
(ब) दीपिका कुमारी
(स) कमलप्रीत कौर
(द) हिमा दास

14. भारत ने इस वर्ष एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में कितने पदक जीते हैं?
(अ) 15 (ब) 17
(स) 18 (द) 20

15. आईसीसी ने अप्रैल 2022 के लिए किस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है?
(अ) केशव महाराज
(ब) एंजेलो मैथ्यूज
(स) बाबर आजम
(द) कैगिसो रबाडा

16. वर्ष 2019 में किस देश ने डेविस कप टूर्नामेंट जीता था?
(अ) स्विट्जरलैंड (ब) रूस
(स) स्पेन (द) सर्बिया

17. वर्ष 2022 में किस देश ने थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीता है?
(अ) भारत (ब) इंडोनेशिया
(स) जापान (द) मलेशिया

18. वर्ष 2021 में किस देश ने वर्ल्ड टेबल टेनिस चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी?
(अ) चीन (ब) अमेरिका
(स) हंगरी (द) द. कोरिया

19. टाइसन फुरी किस देश के दिग्गज प्रोफेशनल बॉक्सर हैं?
(अ) ब्रिटेन (ब) अमेरिका
(स) मैक्सिको (द) रूस

20. इस वर्ष स्पेनिश फुटबॉल टूर्नामेंट ला लीगा का खिताब किस क्लब ने जीता है?
(अ) बार्सिलोना
(ब) रियल मैड्रिड
(स) सेविला
(द) एटलेटिको मैड्रिड

21. मिग्नोन डू प्रीज किस देश की दिग्गज महिला क्रिकेटर हैं?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) वेस्टइंडीज
(स) द. अफ्रीका (द) आयरलैंड

22. वर्ष 2026 में राष्ट्रमंडल खेल किस देश में आयोजित किए जायेंगे?
(अ) भारत (ब) कनाडा
(स) द. अफ्रीका (द) ऑस्ट्रेलिया

23. दिग्गज गोलकीपर मैनुएल न्यूएर किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) इंग्लैंड (ब) बेल्जियम
(स) जर्मनी (द) अर्जेंटीना

24. औबेदुल्ला खां गोल्ड कप किस खेल का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है?
(अ) फुटबॉल (ब) हॉकी
(स) निशानेबाजी (द) कबड्डी

25. इनमें से वर्ल्ड फुटबॉल का सबसे पुराना टूर्नामेंट है?
(अ) एफए कप
(ब) ईएफएल कप
(स) डूरंड कप
(द) सीरी ए लीग

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ), 6. (ब), 7. (अ), 8. (द), 9. (स), 10. (द), 11. (अ), 12. (द), 13. (स), 14. (ब), 15. (अ), 16. (स), 17. (अ), 18. (ब), 19. (अ), 20. (ब), 21. (स), 22. (द), 23. (स), 24. (ब), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 1419 पौधों का रोपण किया गया

भोपाल, विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर वन विभाग के अधीन पेंच टाइगर रिजर्व के सभी 9 कोर और बफर परिक्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों को नीम के 200 पौधे उपहारस्वरूप भेंट किये गये।

इन सभी कोर और बफर परिक्षेत्रों में 167 पेट्रोलिंग कैम्प, वन रक्षक नाका, बेरियर, कार्यालय केम्पस, परिक्षेत्र सहायक निवास एवं अन्य भवनों में 1169 फलदार पौधों और 50 बांस के पौधों का रोपण कराया गया। आम, कटहल, मुनगा, नींबू, करौंदा प्रजाति के फलदार प्रजाति के पौधों के रोपण का उद्देश्य दूरस्थ वन क्षेत्रों में पौधा रोपण को प्रोत्साहन देना है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण जानकारी

हिन्दी साहित्य

1. 'एक अजान सौ सुजान' नामक उपन्यास के लेखक कौन हैं?
(अ) प्रेमचन्द
(ब) बालकृष्ण भट्ट
(स) लज्जाराम मेहता
(द) गोपालराम गहमरी
उत्तर - (ब) बालकृष्ण भट्ट

2. जासूसी उपन्यासों का हिन्दी में श्री गणेश करने का श्रेय किस उपन्यास को दिया जाता है?
(अ) ओमप्रकाश शर्मा
(ब) बाबू देवकीनंदन खत्री
(स) गोपालराम गहमरी
(द) इब्ने शफी
उत्तर - (स) गोपालराम गहमरी

3. 'ठेठ हिन्दी का ठाठ' उपन्यास की रचना किस हिन्दी कवि ने की है?
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ब) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(स) जगन्नाथदास रत्नाकर
(द) जयशंकर प्रसाद
उत्तर - (ब) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

4. 'गोदान' उपन्यास का प्रकाशन वर्ष क्या है?
(अ) 1930 ई. (ब) 1932 ई.
(स) 1936 ई. (द) 1940 ई.
उत्तर - (स) 1936 ई.

5. इनमें से कौनसा उपन्यास प्रेमचन्द का नहीं है?
(अ) कायाकल्प (ब) सेवासदन
(स) प्रेमाश्रय (द) आदर्श हिन्दू
उत्तर - (द) आदर्श हिन्दू

6. स्त्रियों के आभूषण प्रेम के दुष्परिणाम प्रेमचन्द के किस उपन्यास में दिखाये गये हैं?
(अ) गोदान (ब) गबन
(स) रंगभूमि (द) सेवासदन
उत्तर - (ब) गबन

7. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित अधूरा उपन्यास कौनसा है?
(अ) कंकाल (ब) तितली
(स) इरावती (द) कोई नहीं
उत्तर - (स) इरावती

8. 'तितली' उपन्यास का प्रकाशन वर्ष क्या है?
(अ) 1929 ई. (ब) 1934 ई.
(स) 1936 ई. (द) 1920 ई.
उत्तर - (ब) 1934 ई.

9. 'वैशाली की नगर वधू' उपन्यास के लेखक का क्या नाम है?
(अ) गुरुदत्त
(ब) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'
(स) प्रेमचन्द
(द) आचार्य चतुरसेन शास्त्री
उत्तर - (द) आचार्य चतुरसेन शास्त्री

10. 'चन्द हसीनों के खतूत' नामक उपन्यास की रचना किसने की है?
(अ) प्रताप नारायण श्रीवास्तव
(ब) इलाचन्द्र जोशी
(स) चतुरसेन शास्त्री
(द) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
उत्तर - (द) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

11. किस उपन्यास में अन्तर्जातीय विवाह की समस्या को कथावस्तु का आधार बनाया गया है?
(अ) माँ (ब) भिखारिणी
(स) आत्मदह (द) गोदान
उत्तर - (ब) भिखारिणी

12. शिवदान सिंह चौहान ने किस कहानी को शेक्सपियर के नाटक 'टेम्पेस्ट'? का अनुवाद बताया है?
(अ) दुलाईवाली
(ब) एक टोकरी भर मिट्टी
(स) इन्दुमती
(द) ग्यारह वर्ष का समय
उत्तर - (स) इन्दुमती

13. 'प्लेग की चुडैल' कहानी के लेखक कौन हैं?
(अ) माधव प्रसाद सप्रे
(ब) विश्वम्भरनाथ 'कौशिक'
(स) वृन्दावन लाल वर्मा
(द) लाला भगवानदीन
उत्तर - (द) लाला भगवानदीन

14. जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ किस पत्रिका में छपती थीं?
(अ) सरस्वती (ब) मर्यादा
(स) इन्दु (द) प्रताप
उत्तर - (स) इन्दु

15. 'रक्षाबंधन' कहानी के रचयिता कहानीकार कौन हैं?
(अ) प्रेमचन्द
(ब) विश्वम्भरनाथ 'कौशिक'
(स) ज्वालादत्त शर्मा
(द) वृन्दावन लाल 'वर्मा'
उत्तर - (ब) विश्वम्भरनाथ 'कौशिक'

16. 'उसने कहा था' कहानी के लेखक का नाम है?
(अ) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(ब) प्रेमचन्द्र
(स) जयशंकर प्रसाद
(द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर - (अ) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

17. प्रेमचन्द की पहली हिन्दी कहानी का क्या नाम था?
(अ) बूढ़ी काकी
(ब) मन्त्र
(स) पंच परमेश्वर
(द) ठाकुर का कुआं
उत्तर - (स) पंच परमेश्वर

18. प्रेमचन्द की अंतिम कहानी कौनसी मानी जाती है?
(अ) शतरंज के खिलाड़ी
(ब) कफन
(स) बड़े भाईसाहब
(द) लाटरी
उत्तर - (ब) कफन

19. 'मानसरोवर' किसकी कहानियों का संकलन है?
(अ) प्रेमचन्द
(ब) जयशंकर प्रसाद
(स) भगवती प्रसाद वर्मा
(द) यथपाल
उत्तर - (अ) प्रेमचन्द

20. 'पूस की रात' कहानी किस वर्ग में आएगी?
(अ) आदर्शवादी (ब) यथार्थवादी
(स) चरित्र प्रधान (द) घटना प्रधान
उत्तर - (ब) यथार्थवादी

21. 'एथेंस का सत्यार्थी' कहानी के लेखक कौन हैं?
(अ) कौशिक (ब) प्रसाद
(स) प्रेमचन्द (द) सुदर्शन
उत्तर - (द) सुदर्शन

22. 'कानों में कंगना' किसकी प्रसिद्ध कहानी है?
(अ) प्रेमचन्द
(ब) विश्वम्भरनाथ कौशिक
(स) चन्द्रगुप्त विद्यालंकार
(द) राधिकारमण प्रसाद सिंह
उत्तर - (द) राधिकारमण प्रसाद सिंह

23. 'रत्नावली' नाटक का हिन्दी में अनुवाद किस भाषा से किया गया था?
(अ) मराठी (ब) बांग्ला
(स) संस्कृत (द) अंग्रेजी
उत्तर - (स) संस्कृत

24. इनमें से कौनसा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का मूल नाटक नहीं है?
(अ) पाखण्ड विडम्बन
(ब) सती प्रताप
(स) नीलदेवी
(द) अंधेर नगरी
उत्तर - (अ) पाखण्ड विडम्बन

25. 'संयोगिता स्वयंवर' नाटक के रचयिता हैं?
(अ) बालकृष्ण भट्ट
(ब) श्रीनिवास दास
(स) राधाकृष्ण दास
(द) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
उत्तर - (ब) श्रीनिवास दास

26. जी.पी. श्रीवास्तव किस वर्ग के नाटककार हैं?
(अ) ऐतिहासिक नाटककार
(ब) प्रहसन लेखक
(स) सुधारवादी नाटककार
(द) प्रयोगशील नाटककार
उत्तर - (ब) प्रहसन लेखक

27. विवाह मुक्ति एवं पुनर्विवाह की समस्या को प्रसाद जी ने किस नाटक में प्रस्तुत किया है?
(अ) चन्द्रगुप्त
(ब) ध्रुवस्वामिनी
(स) स्कन्द गुप्त
(द) विशाख
उत्तर - (ब) ध्रुवस्वामिनी

28. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' नामक गीत जयशंकर प्रसाद के किस नाटक का है?
(अ) स्कन्द गुप्त (ब) चन्द्रगुप्त
(स) ध्रुवस्वामिनी (द) अजातशत्रु
उत्तर - (ब) चन्द्रगुप्त

29. गांधी जी के असहयोग आंदोलन एवं 'रोलेक्ट एक्ट' को किस नाटक की विषय वस्तु बनाया गया है?
(अ) संन्यासी
(ब) राजयोग
(स) मुक्ति का रहस्य
(द) राक्षस का मंदिर
उत्तर - (अ) संन्यासी

30. विधवा विवाह एवं नारी उद्धार जैसे विषयों को लक्ष्मी नारायण मिश्र के किस नाटक में प्रस्तुत किया गया है?
(अ) आधी रात
(ब) संन्यासी
(स) राजयोग
(द) सिन्दूर की होली
उत्तर - (द) सिन्दूर की होली

31. 'कोणार्क' नाटक के रचयिता कौन हैं?
(अ) जगदीश चन्द्र माथुर
(ब) गोविन्दवल्लभ पंत
(स) मोहन राकेश
(द) कोई नहीं
उत्तर - (अ) जगदीश चन्द्र माथुर

32. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के रचयिता कौन हैं?
(अ) कालिदास
(ब) मोहन राकेश
(स) विजय तेंदुलकर
(द) प्रेमचन्द
उत्तर - (ब) मोहन राकेश

33. 'मादा कैक्टस' के रचयिता नाटककार कौन हैं?
(अ) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(ब) लक्ष्मीनारायण लाल
(स) धर्मवीर भारती
(द) मणि मधुकर
उत्तर - (ब) लक्ष्मीनारायण लाल

34. 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के रचयिता का नाम है?
(अ) सुदर्शन चोपड़ा
(ब) गिरिराज किशोर
(स) भीष्म साहनी
(द) गोविंद चातक
उत्तर - (स) भीष्म साहनी

35. 'बकरी' नामक प्रसिद्ध नाटक के रचयिता कौन हैं?
(अ) गोविन्द चातक
(ब) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(स) ज्ञानदेव
(द) सुरेन्द्र वर्मा
उत्तर - (ब) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

36. कौनसा पात्र अंधायुग नाटक में नहीं है?
(अ) मुमुत्सु
(ब) गांधारी
(स) भीष्म पितामह
(द) अश्वत्थामा
उत्तर - (स) भीष्म पितामह

37. 'नाटक जारी है' रचना किस विधा की है?
(अ) नाटक (ब) निबंध
(स) कविता (द) उपन्यास
उत्तर - (स) कविता

38. 'मुझे चांद चाहिए' किस विधा की रचना है?
(अ) नाटक (ब) निबंध
(स) कविता (द) उपन्यास
उत्तर - (द) उपन्यास

39. 'चतुर्भुज महाशय' किस विधा की रचना है?
(अ) नाटक (ब) एकांकी
(स) जीवनी (द) रिपोर्ताज
उत्तर - (ब) एकांकी

40. 'बिना दीवारों का घर' किसकी नाट्य कृति है?
(अ) गोविन्द चातक
(ब) शिव प्रसाद सिंह
(स) मन्नू भंडारी
(द) रमेश बक्षी
उत्तर - (स) मन्नू भंडारी

41. रंगमंच के पीछे का भाग क्या कहा जाता है?
(अ) रंगशाला
(ब) रंगपीठ
(स) नेपथ्य
(द) रंगशीर्ष
उत्तर - (स) नेपथ्य

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

विश्व पर्यावरण दिवस

सभी शासकीय कार्यालयों को बिजली की खपत में 10 प्रतिशत कमी करनी होगी - मुख्यमंत्री

भोपाल, सभी शासकीय कार्यालयों को बिजली की खपत में 10 प्रतिशत की कमी करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर हम एक यूनिट बिजली बचाते हैं तो 900 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम करते हैं। जिन शासकीय कार्यालयों में सौर ऊर्जा का उपयोग हो सकता है, वहां सोलर पैनल लगाए जाएंगे। सूर्य से प्राप्त ऊर्जा ग्रीन और क्लीन है, तो हम कोयले से पैदा होने वाली बिजली का अधिक उपयोग क्यों करें। पर्यावरण-संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें सरकार के साथ-साथ समाज को भी प्रतिबद्धता और सक्रियता से जुटना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में "यही एक पृथ्वी" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। कार्यक्रम से सभी जिले वर्चुअली जुड़े थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरकंटक को रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जाएगा। वहां निवास कर रहे लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। पर्यावरण-संरक्षण की दृष्टि से संवेदनशील और मां नर्मदा के उद्गम-स्थल के आसपास स्थानीय परिवेश के प्रतिकूल लगे यूकेलिप्टिस के पेड़ों के स्थान पर परिवेश के अनुरूप उपयुक्त प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पर्यावरण दिवस पर प्रदेश के नागरिकों को पांच संकल्प दिलवाए जिसमें वृक्षारोपण के लिए सक्रिय रहना, ऊर्जा संरक्षण के लिए बिजली बचाना, वाहनों का मितव्ययी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए वाहन पूल करना, पब्लिक ट्रान्सपोर्ट को अपनाना और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र के अनुरूप ट्रिपल आर अर्थात रीफ्यूज, रीयूज और रीसायकल, का पालन शामिल है।

श्री चौहान ने कहा कि पर्यावरण दिवस को औपचारिक रूप से मनाने से पर्यावरण-संरक्षण संभव नहीं होगा। हमें इन संकल्पों को प्राणप्रण से व्यवहार में लाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि, मैं और मेरा परिवार अपने घर पर बिजली बचाने के संबंध में बहुत सजग हैं। मैं जब भी कमरे से बाहर निकलता हूं तो स्वयं स्विच बंद करता हूं। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण और उपस्थित अधिकारियों से भी पूछा कि- 'क्या वे भी ऐसा करते हैं?'

मुख्यमंत्री ने भोपालवासियों को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भोपालवासी अपने जन्म दिन पर मेरे साथ पौध-रोपण के लिए आमंत्रित हैं। हमारी संस्कृति प्रकृति पूजा की है। गौवर्धन पूजा भी प्रकृति पूजा को स्थापित करती है। नदियों को हमने मां माना है, अतः उनकी चिंता आवश्यक है। विकास की प्रक्रिया में नदियों के आसपास के पेड़ बड़ी संख्या में कटे हैं,परंतु पर्यावरण और विकास में संतुलन आवश्यक है। विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में कमी नहीं कर रहे हैं। यदि हम ऐसे ही स्वार्थी बने रहे तो धरती के अस्तित्व पर संकट सघन होता चला जाएगा। वैज्ञानिकों का मनाना है कि वर्ष 2050 तक धरती का तापमान 1.5 से पांच डिग्री तक बढ़ना संभावित है। इससे ग्लेशियर पिघलने से जल-प्लावन की स्थिति निर्मित होगी।

श्री चौहान ने कहा कि पर्यावरण-संरक्षण के लिए वृक्षारोपण एकमात्र उपाय है। हरियाली अमावस्या के दिन प्रत्येक ग्राम, पंचायत, विकासखण्ड, जिला मुख्यालय में वृक्षारोपण होगा, प्रदेश की जनता पेड़ लगाएगी। दुनिया करे ना करे, मध्यप्रदेश अपने कर्तव्यों का पालन करेगा, इसमें प्रदेशवासियों का सहयोग आवश्यक है। विश्व में वृक्षारोपण में प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ बनाना है इससे हमारा प्रदेश हरा-भरा होगा, भू-जल स्तर बढ़ेगा, पक्षियों का कलरव बढ़ेगा, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम होगा।

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले की ग्राम पंचायत हिवरे बाजार को सूखाग्रस्त गांव से हरे और समृद्ध मॉडल गांव में बदलने का नेतृत्व करने वाले पर्यावरणविद पद्मश्री किसान सरपंच श्री पवार ने कहा कि हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं कि प्रकृति ही हमारा भविष्य है। इसके प्रति संवेदनशीलता स्वयं के लिए जरूरी है। पंचायत द्वारा ट्यूबवेल तथा अधिक पानी वाली फसलों पर प्रतिबंध लगाने से क्षेत्र के भू-जल स्तर को बढ़ाने में मदद मिली। जंगल में लगने वाली आग के लिए 8 सौ लोगों के मोबाइल नम्बर का नेटवर्क बनाया गया है। इससे आग लगने पर त्वरित रूप से नियंत्रण संभव हो पाता है। वाटर बजटिंग और गांव के हर घर में देसी गाय रखने से परिवारों की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। किचन फॉर हेल्थ की अवधारणा का भी क्षेत्र में क्रियान्वयन किया जा रहा है।

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

Fill in the blanks with suitable articles. (Question No. 1 to 5)

1. It is ..... useful book.
a) a b) an
c) the d) no article

2. He bought ..... cake for his daughter.
a) a b) an
c) the d) no article

3. Cows give us ..... milk.
a) a b) an
c) the d) No article

4. She is ..... woman who helped us last evening.
a) a b) an
c) the d) no article

5. Reading books is ..... good hobby.
a) a b) an
c) the d) no article

Fill the blank spaces with suitable prepositions. (Question No. 6 to 12)

6. They go ..... foot to hospital.
a) with b) without
c) by d) on

7. I am reading a novel ..... pleasure.
a) with b) by
c) from d) for

8. They moved the cupboard ..... great difficulty.
a) of b) from
c) with d) by

9. This book is ..... the welfare policies of the state.
a) of b) onto
c) about d) in

10. I have seen this film .....
a) after b) between
c) to d) before

11. He lived ..... metropolitan cities for ten years.
a) by b) with
c) into d) in

12. I prefer tea ..... coffee.
a) from b) than
c) on d) to

Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question No. 13 to 18)

13. He never ..... on time in the office.
a) has came
b) come
c) is coming
d) comes

14. My father ..... for office at 10.00 am daily.
a) was left
b) has leaved
c) is leaving
d) leaves

15. He ..... chess when the accident took place.
a) is playing
b) was playing
c) has played
d) plays

16. This shop ..... to my brother.
a) is belonging
b) is belonged
c) has belonged
d) belongs

17. That necklace ..... by the woman last week.
a) bought
b) was bought
c) is buying
d) was buying

18. He ..... a mistake last night.
a) was made
b) made
c) had made
d) had been made

Change the Voice. (Question No. 19 to 25)

19. The police arrested the criminal.
a) The criminal were arrested by the police.
b) The criminal arrested the police.
c) The criminal was arrested by the police.
d) The police was being arrested by the criminal.

20. Fold the blanket.
a) You must fold the blanket.
b) Please fold the blanket.
c) Let the blanket be folded.
d) You should fold the blanket.

21. Raju is opening a coaching centre in the city.
a) A coaching centre was being opened in the city by Raju.
b) A coaching centre is being opened in the city by Raju.
c) A coaching centre has been opened in the city by Raju.
d) A coaching centre is opened in the city by Raju.

22. The criminal denies the charges against him.
a) Charges were denied by the criminal against him.
b) The charges are denied by the criminal against him.
c) The charges denies the criminal against him.
d) Again the charges are denied by the criminal.

23. The villagers were harassed by the officials.
a) The villagers harassed the police.
b) The officials harassed the villagers.
c) The officials were harassed by the villagers.
d) The officials were not harassed by the villagers.

24. The party has been arranged by Sumedh and his friends.
a) Sumedh and his friends are arranging the party.
b) Sumedh and his friends arranged the party.
c) Sumedh and his friends have arranged the party.
d) Sumedh and his friends had arranged the party.

25. You are requested to pay the bill
a) You should pay the bill.
b) You must pay the bill.
c) Let the bill be paid.
d) Pay the bill, please.

Idioms and phrases. (Question No. 26 to 30)

26. Hang in there.
a) Give up completely.
b) Hang to the wall.
c) Don't give up.
d) Don't guess anything.

27. Barrel of laugh.
a) Someone who is much uncivilized.
b) Someone who is very funny.
c) Someone who is very investigative.
d) Someone who is laughed at.

28. Slap on the wrist.
a) Big stroke of punishment.
b) Very severe punishment to someone.
c) Very mild punishment.
d) Slap on any parts of the body.

29. Apple of my eye.
a) To see the apple with naked eye.
b) Someone who is cherished above all others.
c) Someone who is ignored by chance.
d) None is favourite to someone.

30. The cherry on the cake.
a) The final thing that makes something perfect.
b) The initiative taken for starting good thing.
c) The perfect beginning of any event.
d) The cake is decorated with cherry.

Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question No. 31 to 35)

31. Vacate
a) Leave b) Empty
c) Occupy d) Evacuate

32. Agile
a) Active b) Indolent
c) Nimble d) Swift

33. Conceal
a) Mask b) Reveal
c) Hide d) Cover

34. Rapid
a) Slow b) Quick
c) Fast d) Swift

35. Savage
a) Wild
b) Uncivilised
c) Brute
d) Civilised

Synonym (Question No. 36 to 40)

36. Prejudge
a) Verdict
b) Unconscious
c) Evidence
d) Anticipate

37. Hindrance
a) Regret
b) Soggy
c) Easy
d) Impediment

38. Blithe
a) Upset b) Sorrow
c) Carefree d) Careless

39. Lessen
a) Increase
b) Amplify
c) Decrease
d) Augment

40. Consume
a) Vomit b) Heave
c) Leave d) Devour

One word substitutions. (Question No 41 to 45)

41. A person noted for bad reputation.
a) Hero b) Famous
c) Popular d) Notorious

42. Something that is perfect and ideal.
a) Bohemian
b) Utopian
c) Dystopian
d) Diplomat

43. One who abstains from alcohol.
a) Wild b) Drunkard
c) Teetotaller d) Alcoholic

44. Absence of government or control in society.
a) Anarchy
b) Democracy
c) Monocracy
d) Parliament

45. A person who champions the cause of women.
a) Traditionalist
b) Marxist
c) Feminist
d) Activist

In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Questions 46 to 50)

46. a) Psychology
b) Nsycholagy
c) Nsychology
d) Psychalogy

47. a) Gaurantee
b) Garantee
c) Guarantee
d) Gourantee

48. a) Laicense
b) Liecense
c) Licens
d) License

49. a) Thereshold
b) Threshold
c) Theshold
d) Thershold

50. a) Diarector
b) Director
c) Directar
d) Directer

Answers

1. a	2. a	3. d	4. c
5. a	6. d	7. d	8. c
9. c	10. d	11. d	12. d
13. d	14. d	15. b	16. d
17. b	18. b	19. c	20. c
21. b	22. b	23. b	24. c
25. d	26. c	27. b	28. c
29. b	30. a	31. c	32. b
33. b	34. a	35. d	36. d
37. d	38. c	39. c	40. d
41. d	42. b	43. c	44. a
45. c	46. a	47. c	48. d
49. b	50. b		

Explanation

1. Article 'A' is placed before a noun which begins with vowel but pronounced as a consonant.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Assistant Professor in English
Sardar Patel Mahavidyalaya,
Chandrapur)

ऊर्जा साक्षरता अभियान

जलवायु परिवर्तन से निपटने में बनें सहभागी

भोपाल, ऊर्जा साक्षरता अभियान में आप भी जुड़ सकते हैं। अभियान से जुड़ना पूर्णतः निःशुल्क है। वेब पोर्टल www.usha.mp.gov.in और मोबाइल एप UShA के माध्यम से पंजीकरण कराएं। मोबाइल एप UShA को गूगल प्ले-स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रतिभागी अपनी सुविधा अनुसार ऑनलाइन पद्धति से बहुविकल्पीय प्रश्नों के रूप में एक परीक्षा में भाग ले सकेंगे। वर्तमान में 12 कोर्स मॉड्यूल प्रचलन में हैं। उत्तरों के आधार पर प्रतिभागियों को त्रि-स्तरीय ऑनलाइन ऊर्जा साक्षरता प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

उल्लेखनीय है कि ग्लोबल वॉर्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिये प्रदेश में ऊर्जा साक्षरता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में ऊर्जा के व्यय एवं अपव्यय, ऊर्जा के पारंपरिक एवं वैकल्पिक साधनों की जानकारी और इनका पर्यावरण पर प्रभाव, ऊर्जा संरक्षण एवं प्रबंधन के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। ऊर्जा एवं ऊर्जा के उपयोग के बारे में सार्थक संवाद स्थापित करने के साथ प्रतिभागियों में ऊर्जा उपयोग के प्रभावों और परिणामों की समझ के आधार पर इसके दक्ष उपयोग के लिये निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। प्रतिभागियों को पर्यावरणीय जोखिम एवं जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के साथ विभिन्न ऊर्जा तकनीकों के चयन के लिये भी सक्षम बनाया जाता है।

आने वाली पीढ़ी पर्यावरण-संरक्षण के लिए जागरूक और सक्रिय रहे - मुख्यमंत्री

भोपाल, प्रकृति को सहेज कर रखने के प्रति बच्चों के विचार और उनकी संवेदनशीलता कला-माध्यमों से प्रभावी रूप से अभिव्यक्त हुई है। आगे आने वाली पीढ़ी, पर्यावरण-संरक्षण के लिए जागरूक और सक्रिय रहे, यह समय की आवश्यकता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्व पर्यावरण दिवस पर भोपाल के वोट क्लब पर भोज वेटलेंड परियोजना के अंतर्गत विकसित जल तरंग इंटरप्रटेशन सेंटर में बच्चों को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण-संरक्षण पर केन्द्रित चित्रकला प्रतियोगिता और क्विज के विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने चित्रकला के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा का संदेश देने वाले बच्चों को शुभकामनाएं दीं। श्री चौहान ने इंटरप्रटेशन सेंटर का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय, ऊर्जा तथा पयार्वरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न कलाएं सीखना, परिवेश से संबंधित समझ को बढ़ाना और व्यक्तिगत रुचि की गतिविधियों में अभिवृद्धि, अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में प्रदेश, देश में पांचवें नम्बर पर है। हमें अपने प्रदेश को पहले नम्बर पर लाना है। इसके लिए शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी मेहनत करना होगी। श्री चौहान ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे खूब पढ़ें, देश के श्रेष्ठतम संस्थानों में प्रवेश के लिए गंभीरता से प्रयास करें।

उल्लेखनीय है कि तालाबों और वेटलेंड के संरक्षण के प्रति जन-सामान्य में संवेदनशीलता और जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से बड़े तालाब के किनारे, बोट क्लब के समीप जलतरंग इंटरप्रटेशन सेंटर वर्ष 2004 में बनाया गया था। इसमें तालाबों और वेटलेंड से संबंधित जानकारी मॉडल, प्रादर्शों, उपकरणों के माध्यम से प्रदर्शित की गई है। सेंटर में भोज वेटलेंड में पाई जाने वाली वनस्पति, जीव-जन्तु और पक्षियों तथा पानी के उपयोग से संबंधित सम्पूर्ण विवरण आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है। सेंटर में प्रदेश के नदी तंत्र तथा विश्व के विभिन्न महाद्वीपों के परिवेश, मौसम, पारिस्थितिकी तंत्र के संबंध में जानकारी दी गई है।

कॅरियर की राहें

मौसम विज्ञान में बढ़ते जा रहे हैं कॅरियर के बेहतर अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

यकीनन अब मौसम विज्ञान तेजी से बढ़ते हुए कॅरियर की बेहतरीन संभावनाओं वाला क्षेत्र बन गया है। गौरतलब है कि भारतीय प्रायद्वीप ने वर्ष 1970 के बाद से करीब 170 तूफानों का सामना किया है। चक्रवाती तूफानों के मामले में भारत में मौसम संबंधी पूर्वानुमान के कारण ही वर्ष 1999 से वर्ष 2022 तक सुपरसाइक्लोन फैनी, चक्रवाती तूफान अम्फान, यास और असनी के मद्देनजर लाखों लोगों को जोखिमों से बचाते हुए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

सूचना क्रांति ने मौसम विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में बढ़ाए कॅरियर के अवसर

इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतीय मौसम विभाग देशभर में फैले अपने केंद्रों

के बड़े नेटवर्क की सहायता से मौसम संबंधी आंकड़े इकट्ठा कर एवं उनका विश्लेषण करके, हमें मौसम के बदलते मिजाज से अवगत कराता है। मौसम विभाग पूर्वानुमान के जरिए परिवहन, दूरसंचार, रक्षा तथा विमानन क्षेत्र हेतु मौसम की संबंधित सूचनाएं उपलब्ध कराता है। दरअसल इन सूचनाओं का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब फैनी साइक्लोन, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हमारा सामना होता है। मौसम विभाग से ही हमें सर्दी, बरसात, गर्मी, उमस, तूफान, चक्रवात तथा हवा के रुख से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां मिलती हैं। विमानों की उड़ान योजना और कार्यान्वयन के लिए मौसम की पूरी जानकारी बहुत जरूरी है, इसलिए सभी हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर मौसम कक्ष होते हैं, जो समुद्र की स्थिति से आसपास के लोगों, मछुआरों तथा जहाजों आदि को अवगत कराते हैं। उल्लेखनीय है कि मौसम विज्ञान की कई शाखाएं हैं, जिनमें से किसी में भी अध्ययन कर अच्छा एवं उज्ज्वल कॅरियर बनाया जा सकता है- क्लाइमेटोलॉजी, साइनोप्टिक मेटिओरोलॉजी, डायनेमिक मेटिओरोलॉजी, फिजिकल मेटिओरोलॉजी, एग्रीकल्चरल मेटिओरोलॉजी व अप्लाइड मेटिओरोलॉजी।

मौसम विज्ञान में कैसे बनाएं कॅरियर

जो युवा मौसम विज्ञान में डिप्लोमा-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करना चाहते हैं, उनके पास भौतिकी एवं गणित विषयों के साथ स्नातक डिग्री होना जरूरी है। मौसम विज्ञान पाठ्यक्रमों में उम्मीदवारों का चयन सामान्यतः प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। यह परीक्षा अखिल भारतीय स्तर की होती है जिसमें मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों के कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा का स्वरूप वस्तुनिष्ठ होता है। इसमें गणित, भौतिकी, रसायन, सामान्य अध्ययन, इतिहास, समसामयिक घटनाक्रम, भारतीय राजव्यवस्था आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तर पर मौसम विज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

संघ लोक सेवा आयोग इंडियन मेटिओरोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) में ग्रेड-2 (मौसम विज्ञानी) की भर्ती के लिये प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसके लिये न्यूनतम शैक्षिक योग्यता भौतिकी, गणित-कम्प्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर डिग्री आवश्यक है। एस्ट्रोलॉजी विषय के साथ भौतिकी अथवा गणित में मास्टर डिग्री धारक और एस्ट्रोफिजिक्स विषय के साथ विज्ञान में मास्टर डिग्री रखने वाले उम्मीदवार भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। चुने गए छात्रों को आईएमडी, पुणे एवं नई दिल्ली में एक साल के एडवांस कोर्स से गुजरना होता है।

रोज़गारोन्मुखी कृषि मौसम विज्ञान पाठ्यक्रम

देश में कृषि मौसम विज्ञान के अध्ययन के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में 1932 में

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) पुणे, के एक प्रभाग के रूप में कृषि जलवायु विज्ञान प्रभाग की स्थापना की गई। बाद में इसे भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के स्थायी विभाग का दर्जा प्रदान किया गया। राष्ट्रीय कृषि आयोग की सिफारिश के अनुसार सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों में कृषि जलवायु विज्ञान में शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को मजबूती प्रदान करने और तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए अलग से कृषि जलवायु विज्ञान विभाग स्थापित किए गए हैं। यहाँ से रोज़गारोन्मुखी कृषि मौसम विज्ञान पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं।

मौसम विज्ञान में कॅरियर के मौकों के विविध क्षेत्र

मौसम विज्ञानियों के लिए सरकारी विभागों से लेकर एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम, सैटेलाइट लॉन्चिंग स्टेशन, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली प्रयोगशालाओं, अंतरिक्ष विभाग, समाचार पत्रों एवं टेलीविजन चैनलों में काम करने के अवसर हैं। सरकारी के अलावा कई प्राइवेट वेदर कंपनियां, आर्किटेक्चरल फर्म्स मौसम विज्ञानियों और एटमोस्फेरिक साइंटिस्ट्स की नियुक्ति करती हैं। रक्षा सेवा में मिसाइल लॉन्च, शिप मूवमेंट, एयरप्लेन फ्लाइट्स, ट्रुप मूवमेंट्स के लिए मौसम की सटीक जानकारी की आवश्यकता होती है, जिसके कारण डिफेंस फोर्स, मर्चेंट नेवी, इसरो, डीआरडीओ आदि में भी मौसम विज्ञानियों की अच्छी मांग है। नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर्स भी इन्हें नियुक्त करते हैं। भारतीय मौसम विभाग की देशभर में फैली शाखाओं में इनके लिए उपयुक्त अवसर उपलब्ध हैं।

अवसरों की बात करें, तो सरकारी से लेकर निजी क्षेत्र में मौसम विज्ञानियों की मांग बढ़ी है। चाहे इंश्योरेंस कंपनियां हों, ऑयल कंपनियां, सोलर एवं विंड एनर्जी या कामर्शियल शिपिंग इंडस्ट्री, सभी स्थानों पर विशेषज्ञ मौसम विज्ञानियों की आवश्यकता देखी जा रही है। इनके अलावा, एसएससी के माध्यम से भारतीय मौसम विभाग में साइंटिफिक असिस्टेंट पद पर नियुक्तियां होती हैं। जो नौजवान शिक्षण या रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक हैं, वे मास्टर्स या पीएच.डी. करके इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं।

मौसम विज्ञान में कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स

वर्तमान में मौसम विज्ञान के क्षेत्र में कॅरियर की जरूरी स्किल्स में प्रकृति व

मौसम में रुचि एवं जलवायु एवं बदलते मौसम का गहनता से अध्ययन करने की रुचि और खुद को नवीनतम तकनीक से अपडेट रखने की क्षमता जरूरी है। साथ ही एनालिटिकल स्किल्स, प्रैक्टिकल स्किल्स, कंप्यूटर स्किल्स पर मजबूत पकड़ जरूरी है।

मौसम विज्ञान से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम- देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, कृषि महाविद्यालयों, विज्ञान महाविद्यालयों एवं टेक्नोलॉजी संस्थानों में मौसम विज्ञान से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम और रोज़गारोन्मुखी कोर्स उपलब्ध हैं। ऐसे में मौसम विज्ञान में कॅरियर बनाने के इच्छुक युवा इन विभिन्न संस्थानों में अपनी अनुकूलता से किसी गुणवत्तापूर्ण संस्थान का चयन करके कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए सुनिश्चित करें आवश्यक सुरक्षा प्रबन्ध

भोपाल, आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग श्री बसंत प्रताप सिंह ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के आम निर्वाचन-2022 के लिए निर्वाचन का कार्यक्रम एक जून 2022 को जारी किया गया है। उन्होंने कहा है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकायों अथवा संबंधित नगरीय क्षेत्रों एवं वार्ड में आग्नेय शस्त्रों एवं घातक हथियारों को लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया जाए। यदि किसी व्यक्ति द्वारा अपने शस्त्र का दुरुपयोग कर लोक-सुरक्षा या लोक शांति भंग किए जाने की आशंका हो तो आर्म्स एक्ट 1959 में शस्त्र अनुज्ञप्ति निलंबित कर उसका शस्त्र निकटतम थाने में जमा कराया जाए। शांति एवं व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में निवास करने वाले शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा यदि शस्त्रों का दुरुपयोग करने की आशंका हो तो ऐसे क्षेत्रों के समस्त या चुनिन्दा अनुज्ञप्तिधारियों की अनुज्ञप्तियां, आर्म्स एक्ट 1959 के अंतर्गत निलंबित कर उनके शस्त्र निकटतम थाने में जमा कराए जाएं तथा चुनाव परिणाम की घोषणा हो जाने के बाद स्थानीय परिस्थिति के अनुसार शस्त्र लौटाये जाने की कार्यवाही की जाए। नगरीय निकायों में ऐसे व्यक्तियों तथा उनके ठिकानों का पता लगाने के लिए, जो अवैध रूप से शस्त्र एवं बारूद रखते हैं, विस्फोटक पदार्थों का भण्डारण एवं प्रदाय करते हैं या वे शस्त्रों का निर्माण एवं व्यवसाय करते हैं, एक सघन अभियान चलाया जाए तथा इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलग्न तत्वों के विरुद्ध संगत अधिनियमों में सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए।

पुलिस द्वारा असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों तथा कानून एवं व्यवस्था भंग करने की मंशा से अवैधानिक कृत्यों में प्रवृत्त व्यक्तियों की धरपकड़ तथा प्रतिबंधात्मक गिरफ्तारी करने का एक सघन अभियान चलाया जाए।

मतदान की तारीख को संबंधित नगरीय निकायों में लारियों, ट्रकों, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों आदि माल वाहक वाहनों का, जिनमें कि सामान लादने या उतारने वाले श्रमिकों को छोड़कर अन्य सवारियां ढोने पर पाबंदी है, प्रचलन नियंत्रित करने के लिए सघन चेकिंग की व्यवस्था की जाए और यदि ऐसे वाहनों का दुरुपयोग मतदाताओं, सवारियों को लाने या ले जाने के लिए किया जा रहा हो तो उनके विरुद्ध मोटरयान अधिनियम 1988 में कार्यवाही की जाए।

शासकीय कर्मचारियों की कमी पर संविदा कर्मियों को मतदान दल में किया जा सकेगा शामिल

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने बताया है कि यदि जिले में राज्य शासन के कर्मचारियों से मतदान दलों की पूर्ति नहीं हो पा रही हो तो अपवाद स्वरूप केन्द्र शासन, बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों/अधिकारियों को मतदान दलों में सम्मिलित किया जा सकता है। शासकीय कर्मचारियों की कमी होने की स्थिति में मतदान दलों में 3 वर्ष से अधिक सेवा पूरी करने वाले संविदा कर्मियों को भी सम्मिलित किया जा सकेगा।

संविदाकर्मी को पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्र. 1 पद पर नियुक्त न करें, क्योंकि पीठासीन अधिकारी की अनुपस्थिति में मतदान अधिकारी क्र. 1 ही पीठासीन अधिकारियों के दायित्वों की पूर्ति करता है। संविदा कर्मियों को मतदान अधिकारी क्रमांक 2 तथा 3 एवं 4 के पद पर मतदान दल में सम्मिलित किया जा सकता है। यदि पुरुष कर्मचारियों की कमी की वजह से महिला कर्मचारी की नियुक्ति करना आवश्यक हो तो कम से कम 2 महिला कर्मचारियों को मतदान दल में रखा जाए। महिला मतदान अधिकारी की ड्यूटी उसी विकासखण्ड में लगायी जाये, जिसमें वह कार्यरत है। ऐसी महिला मतदान अधिकारी को मतदान की पूर्व संध्या से ही मतदान केन्द्र में उपस्थित रहने की अनिवार्यता से छूट देते हुए मतदान प्रारंभ होने के 1 घंटा पूर्व मतदान केन्द्र पर उपस्थित होने की अनुमति दी जाये। अत्यावश्यक सेवाओं जैसे लोक-स्वास्थ्य, जल-प्रदाय, परिवहन, दुग्ध-प्रदाय, वाणिज्यिक कर, आबकारी पंजीयन एवं मुद्रांक तथा विद्युत प्रदाय में संलग्न फील्ड स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों को मतदान दलों में सम्मिलित नहीं किया जाये।

इन विभागों के उन कर्मचारियों की निर्वाचन में ड्यूटी लगायी जा सकती है, जो कार्यालय में कार्य करते हैं। न्यायिक सेवा के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्वाचन ड्यूटी से मुक्त रखा गया है। अतः उनकी ड्यूटी निर्वाचन में नहीं लगायी जाये। किसी विकासखंड में पदस्थ किसी अधिकारी/कर्मचारी को उसी विकासखंड के किसी मतदान केन्द्र पर पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी के तौर पर नियुक्त न किया जाये। कोई भी अधिकारी/कर्मचारी जो किसी विकासखंड का मूल निवासी हो उसे, उस विकासखंड में आने वाले किसी मतदान केन्द्र में पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी के रूप में नियुक्त न किया जाये।

श्री सिंह ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऐसे कर्मचारी जिनकी सेवानिवृत्ति में 6 माह या उससे कम समयावधि शेष हो, उन्हें मतदान दल में शामिल नहीं किया जाये। ऐसे कर्मचारियों से निर्वाचन सम्बंधी अन्य कार्य कराये जा सकते हैं। दिव्यांग/निःशक्त कर्मचारियों को मतदान दल में शामिल न किया जाये। ऐसे कर्मचारियों से निर्वाचन संबंधी अन्य कार्य कराया जा सकता है। निर्वाचन के पश्चात प्रत्येक मतदान केन्द्र पर ही पंच/सरपंच पद के मतों की गणना का कार्य "आपवादिक मामलों को छोड़कर" किया जायेगा। यह कार्य पीठासीन अधिकारी के पर्यवेक्षण तथा निर्देशन में मतदान अधिकारियों द्वारा किया जायेगा।

पीठासीन अधिकारी का चयन वरिष्ठता और अनुभव को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए, ताकि वह मतदान तथा मतगणना के समय महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य को निर्भीकता, विश्वास और दक्षता के साथ सम्पन्न कर सके। यदि जिलों में मतदान दल की कमी हो तो जिले के कलेक्टर अपने संभागीय आयुक्त से समीप के जिलों से मतदान दल उपलब्ध कराने के लिए निवेदन कर आयोग को सूचित कर सकते हैं।

खेल चर्चा

अवनि को मिला पेरिस पैरालिंपिक का टिकट

पेरिस, भारत की अनुभवी निशानेवाज अवनि लखेरा ने फ्रांस में आयोजित पैरा निशानेबाजी विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुये स्वर्ण पदक जीता है। अवनि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में 260.6 अंकों के साथ विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। अवनि ने 249.6 अंक के अपने ही विश्व रिकॉर्ड को तोड़कर वर्ष 2024 में पेरिस में आयोजित होने वाले पैरालिंपिक खेलों के लिये क्वालिफाई कर लिया है। अवनि टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इसके अलावा अवनि ने टोक्यो पैरालिंपिक में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा में भी कांस्य पदक अपने नाम किया था। अवनि पैरालिंपिक खेलों में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

साडियो माने सेनेगल के शीर्ष गोल स्कोरर बने

डैकर, सेनेगल के स्टार फुटबॉलर साडियो माने ने इतिहास रच दिया है। माने ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस क्वालिफायर में बेनिन के खिलाफ मैच में गोल कर सेनेगल के फुटबॉल इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की। माने ने इस मैच में गोल की हैट्रिक लगाई। माने ने सेनेगल के लिये 91 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने 33 गोल दागे हैं। साडियो माने से पहले सेनेगल के लिये सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड हेनरी कैमारा के नाम था।

भारत के वेस्टइंडीज दौरे का कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट टीम के वेस्टइंडीज दौरे के कार्यक्रम की घोषणा की है। यह दौरा 22 जुलाई से शुरू होगा और सात अगस्त तक चलेगा। इस दौरे पर दोनों देशों के बीच तीन वन-डे और पांच ट्वेंटी-20 मैच खेले जायेंगे। वन-डे मैच 22, 24 और 27 जुलाई को खेले जायेंगे, वहीं 29 जुलाई, एक अगस्त, दो अगस्त, छह अगस्त और सात अगस्त को ट्वेंटी-20 मैच खेले जायेंगे। ट्वेंटी-20 सीरीज के अंतिम दो मैच फ्लोरिडा (अमेरिका) में खेले जायेंगे।

फ्रेंच ओपन

राफेल नडाल चौदहवीं बार बने क्ले कोर्ट के चैंपियन

पेरिस, स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने फ्रेंच ओपन ग्रैंड स्लैम का खिताब जीत लिया है। नडाल ने रिकॉर्ड 14वीं बार इस खिताब पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में नडाल ने नॉर्वे के युवा खिलाड़ी कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-0 से हराया।

नडाल ने खिताबी मुकाबला 2 घंटे और 18 मिनट में ही अपने नाम कर लिया। पहले सेट में नडाल ने शानदार शुरुआत की, जिससे रूड दबाव में आ गये। हालांकि रूड ने नडाल को टक्कर देने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाये। नडाल ने यह सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में रूड ने शानदार वापसी की। एक समय सेट में रूड ने नडाल पर 3-1 से बढ़त बना ली थी, नडाल ने इसके बाद लगातार पांच गेम जीतकर सेट 6-3 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में नडाल के आक्रामक खेल के सामने रूड बिल्कुल भी नहीं टिक पाये। नडाल ने यह सेट बिना कोई गेम गंवाए जीत लिया। कैस्पर रूड राफेल नडाल को अपना आदर्श मानते हैं। रूड ने नडाल के ही टेनिस इंस्टीट्यूट से टेनिस की बारीकियां सीखी हैं।

क्ले कोर्ट के बादशाह हैं नडाल

फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट पर खेला जाता है। इसी वजह से नडाल को क्ले कोर्ट का बादशाह भी कहा जाता है। नडाल ने अब तक 14 बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में जगह बनाई है और हर बार टूर्नामेंट जीता है। नडाल पहली बार वर्ष 2005 में फ्रेंच ओपन के चैंपियन बने थे। इसके बाद नडाल वर्ष 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019 और 2020 में भी यह टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

स्वितेक बनीं महिला वर्ग की चैंपियन

फ्रेंच ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब पोलैंड की युवा स्टार ईगा स्वितेक ने जीता। ईगा ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। ईगा ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है। यह ईगा के टेनिस कॅरियर की लगातार 35वीं जीत है। इसके साथ ही ईगा ने अमेरिकी दिग्गज वीनस विलियम्स के लगातार 35 मैच जीतने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की है।

- **राफेल नडाल सबसे ज्यादा (22) ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी हैं।**
- **नडाल के समकालीन प्रतिद्वंद्वी रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने 20-20 ग्रैंड स्लैम जीते हैं।**
- **नडाल ने 92 एटीपी एकल खिताब जीते हैं। सबसे ज्यादा एटीपी एकल खिताब जीतने के मामले में नडाल चौथे स्थान पर हैं।**
- **नडाल से आगे जिमी कोनर्स (109), रोजर फेडरर (103) और इवान लैंडल (94) हैं।**
- **नडाल ने इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन ग्रैंड स्लैम भी जीता है।**
- **नडाल ने चार बार यूएस ओपन और दो-दो बार विम्बलडन तथा ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीते हैं।**

भारत ने फुटबॉल में कंबोडिया को 2-0 से हराया

कोलकाता, एएफसी एशियन कप क्वालिफायर के तीसरे राउंड में भारतीय फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुये कंबोडिया को 2-0 से हराया। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गये इस मुकाबले में भारत के कप्तान सुनील छेत्री ने दो गोल किये। सुनील ने पहला गोल मैच के 14वें मिनट में मिली पेनाल्टी के जरिये दागा, वहीं दूसरा गोल 60वें मिनट में शानदार हेडर लगाकर किया। इन दोनों गोल के बाद सुनील के अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में 82 गोल हो गये हैं। सुनील मौजूदा दौर में सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल दागने वाले तीसरे सक्रिय फुटबॉलर बन गये हैं।

आईसीसी ने हसनैन के गेंदबाजी एक्शन को दी मंजूरी

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन के गेंदबाजी एक्शन को वैध करार दिया है। आईसीसी ने कहा कि अब हसनैन सभी स्तर के क्रिकेट में खेल सकते हैं। पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बताया कि हसनैन का गेंदबाजी एक्शन वैध पाया गया है। इसके बाद आईसीसी ने फिर उनके एक्शन की जांच की, जिसमें हसनैन की कोहनी आईसीसी के गेंदबाजी नियमों के अनुसार 15 डिग्री के अंदर मुड़ी पाई गई है। पीसीबी ने कहा कि हसनैन विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को हराया

लंदन, इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। जेम्स एंडरसन की अगुवाई में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को महज 132 रनों पर ढेर कर दिया। इसके बाद एलेक्स लीस (25) और जैक क्राउले (43) ने पहले विकेट के लिये 59 रन जोड़ इंग्लैंड को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी भी लड़खड़ा गई। इंग्लैंड की पारी 141 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में भी न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज असफल रहे। इसके बाद डेरिल मिशेल (108) और टॉम ब्लंडल (96) ने पांचवें विकेट के लिये 195 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को 285 रन तक पहुंचाया।

जीत के लिये मिले 277 रनों के लक्ष्य के सामने इंग्लैंड की टीम 69 रन पर चार विकेट गंवाकर दबाव में आ गई थी। इसके बाद टीम के स्टार खिलाड़ी जो रूट (115) ने बेन स्टोक्स (54) के साथ पांचवें विकेट

के लिये 90 रन तथा बेन फोक्स (32) के साथ छठवें विकेट के लिये 120 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को यादगार जीत दिलाई।

रूट के 10 हजार रन पूरे

इस मैच के दौरान जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे किये। रूट टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार या इससे ज्यादा रन बनाने वाले विश्व के 14वें और इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज हैं। रूट से पहले एलिस्टर कुक भी टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन बना चुके हैं। रूट अब तक 118 टेस्ट मैचों में 26 शतक और 53 अर्द्धशतक के साथ 10,015 रन बना चुके हैं। जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम समय में दस हजार रन पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की है।

भारत ने जीता एफआईएच हॉकी फाइव्स खिताब

लुसाने, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार खेल दिखाते हुये एफआईएच हॉकी फाइव्स टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में पोलैंड की टीम पर 6-4 से जीत हासिल करते हुये इस खिताब को जीता। फाइनल मुकाबले में तीन गोल से पीछे होने के बाद टीम इंडिया ने जबरदस्त वापसी की और इस मैच में जीत हासिल किया। भारतीय मेंस टीम ने इस टूर्नामेंट में अजेय रहते हुये खिताब पर कब्जा जमाया है।

पहले क्वार्टर की शुरुआत में 3 गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने वापसी करते हुये दो गोल दागे। संजय ने पहला और फिर गुरिंदर ने दूसरा गोल कर पहले हॉफ में स्कोर को 2-3 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला और एक के बाद एक चार गोल पोलैंड पर दागे गये। बाबी सिंह और राहिल मोहम्मद ने मिलकर दो-दो गोल किये और टीम को दूसरे क्वार्टर का खेल खत्म होने के वक्त 6-4 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दोनों ही टीम की तरफ से मैच में कोई गोल नहीं हुआ और भारत ने मुकाबला अपने नाम किया।

इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट में स्विट्जरलैंड को 4-3 से हराया। इसके बाद भारत की भिड़ंत पाकिस्तान से हुई। यह मैच 2-2 से ड्रॉ हो गया। तीसरे मैच में भारत ने मलेशिया के खिलाफ 7-3 से बड़ी जीत दर्ज की। वहीं आखिरी लीग मैच में भारत ने पोलैंड को 6-2 से हराकर प्वाइंट टेबल में 10 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल का टिकट कटाया था। महिला वर्ग में एफआईएच हॉकी फाइव्स का खिताब उरुग्वे ने जीता।

भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली ने लिया क्रिकेट से संन्यास

मुंबई, भारत की महिला खिलाड़ी और वनडे कप्तान मिताली राज ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। मिताली ने भारत के लिए 23 साल क्रिकेट खेला और उनके नाम महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है।

मिताली ने सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी कर बीसीसीआई को धन्यवाद कहते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इतने सालों तक आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए बहुत शुक्रिया।

वर्ष 1999 में 16 साल की उम्र में भारत के लिए खेलना शुरू करने वाली मिताली खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 12 टेस्ट, 232 एकदिवसीय और 89 टी-20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और वह कप्तान भी थीं, जिसने टीम इंडिया को दो बार महिला वन-डे विश्वकप के फाइनल में पहुंचाया।

एकदिवसीय मैचों में वह दुनिया में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने सात शतक और 64 अर्द्धशतक के दम पर 7805 रनों के साथ कॅरियर समाप्त किया। मिताली राज ने 2019 में टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। उन्होंने ने 89 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 2,364 रन बनाए, जो इस फॉर्मेट में किसी भी भारतीय द्वारा सबसे ज्यादा हैं।

फाइनलिसिमा ट्रॉफी

इटली को हराकर अर्जेंटीना बना चैंपियन

लंदन, अर्जेंटीना ने इटली को 3-0 से हराकर फाइनलिसिमा ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। इस मैच में टीम के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी कोई गोल नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने दो गोल करने में सूत्रधार की भूमिका निभाई।

मेसी पूरे मुकाबले में इटली के डिफेंडरों के लिये परेशानी खड़े करते रहे। उन्हीं के असिस्ट पर मार्टिनेज ने 28वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 से लीड दिलाई। इसके बाद हॉफ टाइम होने से ठीक पहले डी मारिया ने गोल कर अर्जेंटीना की बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हॉफ में इटली ने गोल करने के भरपूर प्रयास किये, लेकिन अर्जेंटीना की डिफेंस लाइन ने गोल पोस्ट को सुरक्षित रखा। मैच के अंतिम पलों में एक बार फिर मेसी के असिस्ट पर गोल हुआ और अर्जेंटीना ने 3-0 से मैच अपने नाम कर लिया।

- **अर्जेंटीना ने वर्ष 2021 में ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका कप जीता था।**
- **इटली ने इंग्लैंड को हराकर जीता था यूरो कप का खिताब।**

क्या है फाइनलिसिमा

फाइनलिसिमा मैच कोपा अमेरिका चैंपियन और यूरो कप चैंपियन के बीच खेला जाता है। साल 1985 में यह पहली बार खेला गया था। तब फ्रांस ने उरुग्वे को 2-0 से हराकर इसे जीता था। 1993 में यह फिर आयोजित किया गया, जिसे अर्जेंटीना ने पेनाल्टी शूट आउट में जीता। इसे फीफा ने बंद कर दिया था, क्योंकि 1992 से कंफेडरेशन कप शुरू कर दिया गया था। जिसमें लैटिन अमेरिकी और यूरोप की चैंपियन टीम शामिल होती थी। वर्ष 2017 के बाद से कंफेडरेशन कप नहीं हुआ है।

अर्जेंटीना है विश्वकप का दावेदार

अर्जेंटीना ने पिछले साल कोपा अमेरिका कप अपने नाम किया था और अब यूरो कप चैंपियन इटली को हराकर अर्जेंटीना ने कतर में इस साल के आखिरी में होने वाले वर्ल्ड कप को जीतने के लिये अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। अर्जेंटीना के पास स्ट्राइकर, मिडफील्डर और डिफेंडर्स का अच्छा संतुलन है। मेसी के साथ मारिया, डिबेला और मार्टिनेज किसी भी टीम के डिफेंस को भेदने में सक्षम हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

21 वर्ष से कम उम्र के लोग

घातक हथियार नहीं खरीद सकेंगे

अमेरिका में लगातार बढ़ रही गोलीबारी की घटनाओं के बीच न्यूयॉर्क में अर्ध स्वचलित राइफल खरीदने की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी गई है। न्यूयॉर्क के गवर्नर कैथी होचुल ने इस कानून पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद अमेरिका में बंदूक नियंत्रण पहल को लागू करने वाला न्यूयॉर्क पहला राज्य बन गया है। डेमोक्रेट होंचुल ने 10 सार्वजनिक सुरक्षा संबंधी विलों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उक्त विधेयक शामिल है।

भारत-इजरायल

दोनों देश भावी रक्षा तकनीकों पर काम करेंगे

भारत और इजरायल ने भविष्य की रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति प्रकट की है। भारत की यात्रा पर आए इजरायल के रक्षा मंत्री बेंजामिन गैट्ज ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक की। इस दौरान भविष्य की रक्षा तकनीकों को लेकर एक इच्छा पत्र का भी आदान-प्रदान किया गया।

- **भारत और इजराइल के बीच आधिकारिक राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ है इस वर्ष।**
- **दोनों देशों में इच्छा पत्र का भी आदान-प्रदान किया गया।**

रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि बैठक के दौरान द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और रक्षा क्षेत्र औद्योगिक सहयोग से संबंधित कई विषयों पर चर्चा की गई। दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच मौजूदा सैन्य गतिविधियों की समीक्षा की, जो कोविड-19 चुनौतियों के बावजूद बढ़ी हैं। इस दौरान मंत्रियों ने भविष्य की प्रौद्योगिकियों और रक्षा सह उत्पादन में अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

दोनों मंत्रियों ने आपसी सुरक्षा चुनौतियों और कूटनीतिक तथा रक्षा विषयों पर परस्पर समरूपता को स्वीकार किया। उन्होंने सभी मंचों पर सहयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

दोनों देशों ने इस बावत् एक विजन स्टेटमेंट भी जारी किया तथा सैन्य सहयोग के विस्तार पर जोर दिया। इससे पूर्व इजराइल के रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय समर स्मारक का दौरा किया।

मिट्टी बचाओ अभियान

सेव सॉइल यात्रा से दुनिया का मिट्टी के प्रति स्नेह बढ़ा : प्रधानमंत्री

विश्व पर्यावरण दिवस पर सेव सॉइल यात्रा के कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुझे पक्का भरोसा है कि सद्गुरु की 'सेव सॉइल' (मिट्टी बचाओ) यात्रा से दुनिया को मिट्टी के प्रति स्नेह पैदा हुआ होगा, साथ ही भारत की मिट्टी की ताकत का परिचय भी मिलेगा।

- **ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव अपनी 100 दिन की सेव सॉइल यात्रा के 75वें दिन दिल्ली पहुंचे। इस मौके पर विज्ञान भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अकेला विकासशील देश है, जहां 22 करोड़ किसानों को सॉइल कार्ड दिए गए हैं। सद्गुरु ने कहा कि हमारे भोजन का 95 फीसदी मिट्टी की ऊपरी सतह से आता है यानी मिट्टी नहीं तो भोजन नहीं। उन्होंने कहा कि खतरे की बात यह है कि हमारे पास अब केवल 60 वर्षों के लिए खेती योग्य मिट्टी बची है। उन्होंने कहा कि देश की 63 फीसदी मिट्टी बेहद खराब स्थिति में है, उसमें 0.5 फीसदी से भी कम जैविक कार्बन है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के 100 दिन

डोनबास के सबसे बड़े शहर पर कब्जे के करीब रूसी सेना

रूसी सेना ने युद्ध के 100वें दिन यूक्रेन के औद्योगिक शहर की पहचान वाले सीविरोडोनेस्क के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा कर लिया। हालांकि वहां पर लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। यूक्रेन की सेना डोनबास के इस सबसे बड़े शहर में कई स्थानों पर डटी हुई है और हमलों का पूरी ताकत से जवाब दे रही है। यह युद्ध अभी और कितने दिन चलेगा कहा नहीं जा सकता। पिछले कई हफ्तों से सीविरोडोनेस्क रूसी सेना के हमलों का केंद्र बना हुआ है। इस शहर पर कब्जे के बाद लुहांस्क प्रांत रूस के नियंत्रण में आ जाएगा। लुहांस्क के गवर्नर सेरही गैदाई ने कहा, बड़े दुःख के साथ बताना पड़ रहा है कि रूसी सेना सीविरोडोनेस्क में काफी भीतर तक घुस आई है और ज्यादातर हिस्सों पर उसका कब्जा हो गया है। केवल 20 प्रतिशत हिस्से में अब लड़ाई चल रही है।

- **यूक्रेनी शहरों को पूरी तरह बर्बाद कर रही रूसी सेना : जेलेंस्की।**
- **मुकाबले के लिए यूक्रेनी सेना को अमेरिकी रॉकेटों का इंतजार।**

यूक्रेनी सेना अब अमेरिका और ब्रिटेन से मिलने वाले रॉकेट सिस्टम तथा अन्य बड़े हथियारों का इंतजार कर रही है। यह रॉकेट सिस्टम 80 किलोमीटर की दूरी तक मार करने में सक्षम है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी सेना इलाकों को पूरी तरह से बर्बाद कर उन पर कब्जा कर रही है। इससे नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बाकी शहरों में हुई तबाही के लिए भी रूसी सेना जिम्मेदार है। रूसी सेना ने तीन महीने से ज्यादा की लड़ाई में मेलिटोपोल, खेरसान और मारीपोल शहरों पर कब्जा किया है।

बोरिस जॉनसन बने रहेंगे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पार पाई अविश्वास प्रस्ताव की बाधा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की कुर्सी पर मंडरा रहा खतरा फिलहाल टल गया है। 211 सांसदों के वोट के साथ उन्होंने विश्वास प्रस्ताव जीत लिया है। जॉनसन सरकार बढ़ती महंगाई और पार्टीगेट स्कैंडल के चलते विवादों में घिरी हुई है। कंजरवेटिव पार्टी के मौजूदा नियमों के अनुसार, इस जीत के साथ ही जॉनसन को कम से कम 12 महीनों तक किसी अन्य अविश्वास प्रस्ताव का सामना नहीं करना होगा।

अविश्वास प्रस्ताव के लिए कुल 359 वोट डाले गए थे। इनमें 148 के मुकाबले जॉनसन ने 211 मतों के साथ जीत दर्ज कर कर ली है।

अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने के लिए जॉनसन को 180 कंजरवेटिव सांसदों के वोट की जरूरत थी। ब्रिटिश संसद में कुल 359 सांसद हैं। इस अहम मतदान से पहले पीएम जॉनसन ने समर्थन हासिल करने की कोशिश में दर्जनों सांसदों को संबोधित किया था। पार्टीगेट स्कैंडल के चलते जॉनसन की अपनी पार्टी पर खासा असर पड़ा है।

गौरतलब है कि 10 डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री आवास) में जून-2020 में आयोजित एक जन्मदिन पार्टी में कोविड-19 लॉकडाउन संबंधी नियमों के उल्लंघन के आरोप को लेकर 40 से अधिक सांसदों ने जॉनसन के इस्तीफे की मांग की थी। मामला लंबे समय से चर्चा में बना हुआ था और शीर्ष सिविल सेवक सू ग्रे के नेतृत्व में की गई जांच की विफलताओं को लेकर भी कई सवाल उठाए गए।

इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में मिसाइल से किया हमला

एक तरफ रूस-यूक्रेन में युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा तो दूसरी ओर सीरिया और इजरायल में एक बार फिर टकराव देखने को मिल रहा है। इजरायली सेना ने इजरायल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स से सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिण में मिसाइल से हमला किया और सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। सीरियाई सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि अधिकांश मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोक दिया गया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

ईरान समर्थक शिया मिलिशिया को बनाया निशाना

विपक्ष की ओर से सीरियन आब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजरायली हमलों ने दमिश्क के दक्षिण में किसवे क्षेत्र में उन जगहों को निशाना बनाया, जहां ईरान समर्थक शिया मिलिशिया स्थित हैं। ब्रिटेन स्थित युद्ध मॉनीटर ने कहा कि सीरियाई वायु रक्षा ने अधिकांश मिसाइल को सफलतापूर्वक रोक दिया। लेकिन दो मिसाइलों को रोकने से चूक गए, जिसने बेस को निशाना बनाया।

गौरतलब है कि 21 मई को भी सीरिया में इजरायल ने मिसाइल से हमला किया था। सीरियाई सेना द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राजधानी दमिश्क के दक्षिण में सैन्य स्थलों को निशाना बनाया गया था। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी। सीरियाई सेना ने यह भी बताया कि इजरायल की ओर से कई मिसाइल छोड़ी गई थीं। लेकिन एयर डिफेंस ने अधिकांश मिसाइलों को रोक दिया। इन मिसाइलों को भी इजरायल ने कब्जे वाले गोलन हाइट्स से दागा गया था।

तुर्की अब 'तुर्किये' के नाम से जाना जाएगा

तुर्की का नाम बदल गया है। अब इसे तुर्किये के नाम से जाना जाएगा। खुद को इस्लाम का सबसे बड़ा पैरोकार बताने वाले राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने अपने देश का नाम बदल दिया।

तुर्किये ही क्यों चुना : टर्किश भाषा में तुर्की को तुर्किये कहा जाता है। 1923 में पश्चिमी देशों के कब्जे से आजाद होने के बाद तुर्की को तुर्किये नाम से ही जाना गया था। सदियों से यूरोपीय लोगों ने इस देश को पहले ऑटोमन स्टेट और फिर तुर्किये नाम से संबोधित किया। बाद में इसे तुर्की कहा जाने लगा और इसी को आधिकारिक नाम बना दिया गया। पिछले साल दिसंबर में एर्दोआन ने तुर्की संस्कृति और मूल्यों का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए तुर्किये के उपयोग का आदेश दिया, जिसमें निर्यात उत्पादों पर मेड इन तुर्की की बजाय मेड इन तुर्किये का उपयोग करने की मांग शामिल थी। तुर्की के मंत्रालयों ने आधिकारिक दस्तावेजों में 'तुर्किये' का उपयोग करना शुरू कर दिया। संयुक्त राष्ट्र ने तुर्की का नाम बदलने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र में अब तुर्की का नाम तुर्किये कर दिया गया है। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि तुर्की के विदेश मंत्री मेवतुल कावुसोग्लू ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को एक पत्र लिखा, जिसमें तुर्की का नाम तुर्किये करने का अनुरोध किया गया था।

उत्तर कोरिया ने आठ बैलिस्टिक मिसाइलों का किया परीक्षण

उत्तर कोरिया ने कई स्थानों से समुद्र की ओर कम दूरी वाली आठ बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ज्वॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास सुनन इलाके से लगातार 35 मिनट से अधिक समय तक एक के बाद एक मिसाइल दागी गई। यह बताया गया है कि मिसाइलों ने 110 से 670 किमी. की दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इसके कुछ घंटों बाद जापान और अमेरिका ने एक संयुक्त बैलिस्टिक मिसाइल अभ्यास किया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।